राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

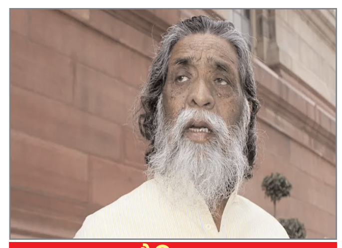

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 09 फरवरी 2026
वर्ष 14, अंक 290, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

परेशानी पीएचसी पर वैक्सीन नहीं..03

सड़कों पर गड्ढों से मौत अव्यवस्था की ज्वलंत तस्वीर पेश करती है..04

रूसी तेल खरीद पर जानकारी विदेश मंत्रालय देगा, अमेरिका से समझौते से भारतीय किसानों को नुकसान नहीं: पीयूष गोयल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जारी एक कार्यकारी आदेश में यह दावा किए जाने के बाद कि भारत ने रूस से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात रोकने की प्रतिबद्धता जताई है, इस पर उठे सवालों के जवाब में केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार (7 फरवरी) को कहा कि इस संबंध में जानकारी विदेश मंत्रालय (एमईए) देगा. गोयल ने यह भी कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में ऐसे किसी भी प्रावधान को शामिल नहीं किया जाएगा जिससे भारतीय किसानों को नुकसान हो, और भारत के डेयरी क्षेत्र में कोई 'रियायत' नहीं दी गई है. भारत-अमेरिका द्वारा संयुक्त बयान जारी किए जाने के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने व्हाइट हाउस के उस कार्यकारी आदेश पर कोई सीधा जवाब नहीं दिया, जिसमें कहा गया है कि अगर भारत रूसी तेल की खरीद 'दोबारा शुरू करता है,' तब अमेरिका 25% टैरिफ फिर से लगा देगा. व्हाइट हाउस के कार्यकारी आदेश में बताई गई कथित प्रतिबद्धता को लेकर कम से कम दो सवालों के जवाब में गोयल ने कहा, 'इस जानकारी को विदेश मंत्रालय ही दे पाएगा.' इससे पहले, गुरुवार (5 फरवरी) को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान जब विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या भारत रूसी तेल खरीदना बंद करेगा, तब मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, 'जहां तक भारत के ऊर्जा स्रोतों का सवाल है, सरकार कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से कह चुकी है कि 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है. बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के अनुरूप ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना इसी रणनीति का मूल है. भारत के सभी फैसले इसी सोच के साथ लिए गए हैं और आगे भी लिए जाएंगे.' वहीं, ट्रंप द्वारा जारी कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि भारत ने अमेरिकी अधिकारियों को बताया है कि वह न सिर्फ रूसी मूल के तेल का आयात पूरी तरह बंद करने पर सहमत हुआ है, बल्कि अपनी ऊर्जा खरीद का एक हिस्सा अमेरिकी आपूर्तिकर्ताओं की ओर मोड़ने को भी तैयार है. दोनों देशों के संयुक्त बयान में कहा गया है कि भारत और अमेरिका एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर पहुंचे हैं, जिसके तहत भारत पर लगने वाले टैरिफ घटाकर 18% कर दिए जाएंगे. इसके बदले भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और अमेरिकी कृषि व खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रेणी पर टैरिफ कम करेगा या तो हटाएगा।

गोयल का 'समझौते' से इनकार

गोयल ने विपक्षी दलों द्वारा इस समझौते को लेकर इन आरोपों को खारिज किया है जिसमे कहा गया है कि इससे भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्रों से समझौता किया गया है. उन्होंने कहा, 'विपक्ष पूरी तरह बेबस है. देश भी उनके झूठ फैलाने और लोगों को गुमराह करने की कोशिशों पर भरोसा नहीं करता. मैं

फिर दोहराता हूं कि भारत के डेयरी सेक्टर में किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं हुआ है, न कोई रियायत दी गई है, न ही कुछ खोला गया है.' वाणिज्य मंत्री ने आगे कहा, 'इसके साथ ही भारत के अहम कृषि क्षेत्र में भी किसी तरह का समझौता नहीं किया गया है, चाहे वह मांस उत्पादन हो, पोल्ट्री, डेयरी, जीएम खाद्य उत्पाद, सोयाबीन, मक्का, अनाज, मिलेट्स, ज्वार, बाजरा, रागी, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, सिट्रस फल, हरी मटर, मूंग, तिलहन, कुछ पशु-बीज उत्पाद, मूंगफली, शहद, गैर-मादक पेय, आटा, स्टार्च, कुछ आवश्यक तेल, एथेनॉल या तंबाकू. आज भारत के किसान जश्न मनाएंगे और पूरी तरह संतुष्ट हैं.' गोयल ने उन अन्य क्षेत्रों की भी सूची दी जिनके तहत अमेरिका को होने वाले निर्यात पर शुल्क 50% से घटाकर शून्य किया जाएगा. इनमें रत्न और हीरे, फार्मास्यूटिकल उत्पाद, विमान के पुर्जे, मशीनरी पार्ट्स, जेनेरिक दवाएं, कुछ ऑटो पार्ट्स, प्लेटिनम, घड़ियां, आवश्यक तेल, झूमर और लैंप पार्ट्स जैसे होम डेकोर आइटम, कुछ अकार्बनिक रसायन, कागज, प्लास्टिक और लकड़ी से जुड़े उत्पाद शामिल हैं।

उन्होंने कहा, 'यह जश्न की बात है, जिस पर पूरे देश में चर्चा हो रही है. अब कितने कृषि उत्पाद अमेरिका में शून्य शुल्क का लाभ उठाएंगे, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा. कुछ लोग, जो भारतीय किसानों और भारत के विरोधी हैं, इससे परेशान हैं.' गोयल ने यह भी कहा कि भारत ने कुछ ऐसे उत्पादों पर टैरिफ घटाए या हटाए हैं जिनकी उसे जरूरत है. इनमें डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स विद सॉल्यूबल्स, वाइन और स्पिरिट्स (न्यूनतम आयात मूल्य के साथ), पिस्ता, अखरोट, बादाम, कुछ औद्योगिक इनपुट, कैंसर, हृदय और न्यूरोलॉजिकल उपचार की कई दवाएं, कुछ कॉस्मेटिक्स, जैविक और अकार्बनिक रसायन तथा कंप्यूटर से जुड़े कई उत्पाद शामिल हैं. उन्होंने कहा, 'कुछ उत्पादों पर टैरिफ तुरंत हटाए जाएंगे, कुछ चरणबद्ध तरीके से और कुछ पर कोटा आधारित टैरिफ लागू होंगे.' गोयल ने यह भी कहा कि स्मार्टफोन्स पर निर्यात शुल्क शून्य होगा, और यह 'भारत के लिए बड़ी जीत' है कि अमेरिका ने आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) उत्पाद उपलब्ध कराने पर सहमति जताई है. राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें कई आईसीटी उत्पादों की जरूरत होगी, जैसे एनवीडिया चिप्स, एआई उपकरण, डेटा सेंटर्स. अगर हमें दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलना है और हमारी आईटी कंपनियों को वैश्विक जरूरतों के अनुरूप ढलना है, तो ये आईसीटी उत्पाद बेहद जरूरी हैं. यह भारत के लिए बड़ी जीत है कि अमेरिका ने हमें ये सभी जरूरी आईसीटी उत्पाद उपलब्ध कराने पर सहमति दी है।'

परमात्मा की इच्छा से टूट गया झूला, सूरजकुंड हादसे पर पर्यटन मंत्री का शर्मनाक बयान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फरीदाबाद- हरियाणा के फरीदाबाद में 7 फरवरी को सूरजकुंड मेला परिसर में घटित झूला दुर्घटना के संबंध में 2 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है. इस केस में थाना सूरजकुंड में तत्काल एफआईआर दर्ज कराई गई थी. हिमाचल फन केयर कंपनी के प्रोपराइटर मोहम्मद शाकिर के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या सहित अन्य संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है. शाकिर और उसके साथी नितेश को गिरफ्तार किया गया है. इस हादसे को लेकर लोगों में खासा रोष देखने को मिला. मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शोक जताया. हरियाणा के पर्यटन मंत्री का विवादित बयान सामने आया है. मीडिया से बात करते हुए राज्य के पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा ने कहा कि पीड़ितों की प्रति हमारी संवेदना है. रोजाना झूले का सर्टिफिकेशन होता है. आज सुबह (घटना वाले दिन) भी सर्टिफिकेशन हुआ, लेकिन परमात्मा परमेश्वर की मर्जी से ये हादसा हो गया।

गहन जांच

पर्यटन मंत्री ने कहा कि यह हादसा बेहद ही दुःखी करने वाला है. यह एक दुःखद घटना है. हरियाणा सरकार की ओर से मैं इस हादसे की चपेट में आने वालों को संवेदना व्यक्त करता हूं. इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद ने लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान दे दी है. हादसे में दो महिला कांस्टेबल भी घायल हुई हैं. उधर, पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल के निर्देशानुसार पुलिस उपायुक्त अपराध के पर्यवेक्षण में सहायक पुलिस आयुक्त अपराध-2, प्रभारी क्राइम ब्रांच NIT और उप निरीक्षक संजय, थाना सूरजकुंड की एक तीन सदस्यीय विशेष अनुसंधान टीम (SIT) गठित की गई है. टीम की ओर से वैज्ञानिक और तकनीकी आधार पर गहन जांच की जा रही है. मेला परिसर में झूले लगाने वाली कंपनी हिमाचल फन केयर के प्रोपराइटर मोहम्मद शाकिर निवासी गांव टोका नंगला, जिला सिरमौर (हिमाचल प्रदेश) और एक अन्य आरोपी नितेश निवासी धर्मपुरी, सदर मेरठ कैंट (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया गया है. अन्य संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

आर्थिक सहायता का वादा

घटना के बाद अजय सिंघल और सतेंद्र कुमार गुप्ता ने सिविल अस्पताल फरीदाबाद में निरीक्षक जगदीश प्रसाद के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की. पुलिस महानिदेशक ने कहा कि निरीक्षक जगदीश प्रसाद ने ड्यूटी के दौरान घायलों को बचाने का सराहनीय प्रयास किया. उनका निधन पुलिस विभाग के लिए अत्यंत दुःखद है. विभाग परिवार को यथासंभव आर्थिक सहायता प्रदान करेगा और अनुकंपा नीति के अंतर्गत पात्र सदस्य को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा. पुलिस महानिदेशक ने सिविल अस्पताल फरीदाबाद और सुप्रीम अस्पताल में भर्ती घायलों का भी हालचाल जाना. पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, इस घटना में कुल 12 व्यक्ति घायल हुए थे, जिनमें महिला सहायक उप निरीक्षक नीलम, महिला सिपाही शर्मिला, राजेश (SPO), हर्ष प्रकाश, प्रशांत, अमीषा, परविंदर, सुनील, शिवानी, बलबीर, अनुज और पूजा शामिल हैं. इनमें से 5 घायलों को उपचार उपरांत अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है. शेष घायलों की स्थिति सामान्य है. उन्हें उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

भारत-अमेरिका की 'सुपर डील' से बांग्लादेश होगा बर्बाद! एक फैसले से तबाह हो गई पूरी कमाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए एक समझौते ने एशिया के व्यापारिक बाजार में तहलका मचा दिया है. यह खबर भारत के लिए जितनी बड़ी खुशी लेकर आई है, उतनी ही बड़ी मुसीबत हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश के लिए खड़ी हो गई है. अमेरिका ने भारतीय कपड़ों और टेक्सटाइल उत्पादों पर लगने वाले आयात शुल्क (टैरिफ) को घटाकर आधा से भी कम कर दिया है. पहले जहां भारतीय माल पर 50% टैक्स लगता था, अब वह घटकर सिर्फ 18% रह गया है. व्यापार जगत के जानकारों का मानना है कि अमेरिका का यह एक फैसला बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ तोड़ने के लिए काफी है, क्योंकि वहां की कमाई का मुख्य जरिया कपड़ा उद्योग ही है।

चीन और बांग्लादेश से आगे निकला भारत, बदला पूरा खेल

इस डील की सबसे बड़ी बात यह है कि अब अमेरिका में भारतीय कपड़ा दूसरे देशों के मुकाबले सबसे सस्ता हो जाएगा. आंकड़ों को देखें तो नया टैरिफ सिस्टम भारत को सबसे फायदे में रखता है. अब भारतीय सामान पर 18% टैक्स लगेगा, जबकि बांग्लादेश के

सामान पर 20%, वियतनाम पर 20% और चीन पर तो 30% टैक्स है. पाकिस्तान भी 19% के साथ भारत से पीछे छूट गया है. टेक्सटाइल मंत्रालय का साफ कहना है कि जब बड़े ग्लोबल खरीदारों को भारत से कम टैक्स पर अच्छा माल मिलेगा, तो वे बांग्लादेश या चीन की तरफ क्यों देखेंगे? खरीदार अब अपनी खरीदारी की रणनीति बदलेंगे और इसका सीधा फायदा भारतीय निर्यातकों को मिलेगा. बांग्लादेश के लिए यह बहुत बड़ा झटका है क्योंकि पहले ही यूरोपीय संघ के साथ भारत की डील ने उसकी नींद उड़ा रखी थी।

118 अरब डॉलर का खजाना अब भारत के लिए खुला

अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है और वहां कपड़ों का 118 अरब डॉलर का विशाल कारोबार होता है. अब तक भारी-भरकम टैक्स की वजह से भारत इस बाजार में अपनी पूरी ताकत नहीं दिखा पा रहा था. लेकिन वॉशिंगटन के साथ हुए इस समझौते ने भारत के लिए दरवाजे पूरी तरह खोल दिए हैं. भारत पहले ही अमेरिका को करीब 10.5 अरब डॉलर का कपड़ा निर्यात करता है, लेकिन इस छूट के बाद यह आंकड़ा कई गुना बढ़ने की उम्मीद है. सरकार का लक्ष्य 2030 तक 100 अरब डॉलर के निर्यात का है और यह डील उस लक्ष्य को हासिल करने में सबसे बड़ी भूमिका निभाएगी।

ट्रंप-मोदी की दोस्ती का असर, अमेरिका को भी मिला फायदा

व्यापार में ताली दोनों हाथों से बजती है, इसलिए भारत ने भी अमेरिका को रिटर्न गिफ्ट दिया है. इस फ्रेमवर्क के तहत, भारत ने अमेरिका से आने वाले कई कृषि उत्पादों और औद्योगिक वस्तुओं पर टैक्स कम या खत्म कर दिया है. अब अमेरिका से सूखे डिस्टिलर्स ग्रेन्स, पशु आहार, बादाम-अखरोट, ताजे फल और सोयाबीन तेल जैसे उत्पाद भारतीय बाजार में आसानी से आ सकेंगे. भारत के लिए यह 'विन-विन' सिचुएशन है, लेकिन बांग्लादेश के लिए यह अस्तित्व की लड़ाई बन गई है।

डेढ़ साल पुराने मर्डर का बदला? मेरठ में स्क्रैप कारोबारी की गोली मारकर हत्या, आक्रोशित परिजनों ने जाम की सड़क

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मेरठ में पुरानी रंजिश के चलते एक बार फिर खूनी वारदात सामने आई है. शहर में स्क्रैप कारोबारी असलम की गोली मारकर हत्या कर दी गई. आशंका जताई जा रही है कि यह हत्या लगभग डेढ़ साल पहले हुए अरशद हत्याकांड का बदला है. घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया. पोस्टमार्टम के बाद जब असलम का शव एंबुलेंस से घर लाया गया, तो गुस्साए परिजनों ने सड़क पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया. पुलिस को हालात काबू में करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

असलम पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को मेरठ के नौचंदी थाना क्षेत्र से महज कुछ ही दूरी पर स्थित जैदी फार्म इलाके में असलम पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हथियारों से लैस कुछ लोग असलम की तलाश में आए थे. जैसे ही उन्होंने असलम को देखा, उस पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी. इस हमले में असलम गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसका दोस्त शोएब भी गोली लगने से जख्मी हो गया. दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान असलम ने दम तोड़ दिया. शोएब का इलाज अभी जारी है. पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक असलम और अरशद के परिवारों के बीच लंबे समय से दुश्मनी चली आ रही थी. करीब डेढ़ साल पहले अरशद की उसके बच्चों के सामने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. उस मामले में आरोप असलम और उसके परिवार के लोगों पर लगा था. अरशद की हत्या का सीसीटीवी फुटेज भी उस समय सामने आया था. पुलिस सूत्रों का कहना है कि उसी हत्याकांड का बदला लेने के लिए अरशद के समर्थकों ने इस वारदात को अंजाम दिया।

शव को सड़क पर रखकर जाम किया

शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही असलम का शव एंबुलेंस से लाया गया, परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा. उन्होंने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के साथ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे. इस दौरान मृतक के पिता इमरान एंबुलेंस की छत पर चढ़ गए और पुलिस से आरोपियों के एनकाउंटर की मांग करने लगे. मौके पर काफी देर तक हंगामा चलता रहा. हालात बिगड़ते देख सीओ सिविल लाइन्स अभिषेक तिवारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. उन्होंने परिजनों से बातचीत कर उन्हें भरोसा दिलाया कि आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी और मामले में सख्त कार्रवाई होगी. पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजनों ने जाम हटाया और शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया. पुलिस ने इस मामले में 11 लोगों को नामजद करते हुए हत्या की धाराएं बढ़ा दी हैं. फिलहाल पुलिस टीमें संभावित आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही हैं. इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

बिहार के सहरसा में चार दोस्तों ने पिया जहर, तीन की मौत... एक की हालत गंभीर

बिहार के सहरसा जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है. यहां एक साथ चार जिगरी दोस्तों ने जहर पी लिया. घटना में तीन की मौत हो गई, जबकि एक की हालत नाजुक बताई जा रही है. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है. इस घटना के बाद से इलाके में हाहाकार मचा हुआ है. मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. हर कोई घटना को लेकर काफी हैरान-परेशान है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. जानकारी के अनुसार, जिले के कनरिया थाना क्षेत्र के फरेवा मुसहरी गांव में चार जिगरी दोस्तों ने एक साथ कीटनाशक दवा पील ली, जिसमें से तीन की मौत हो गई है. मृतकों की पहचान राजा कुमार (20), सनी देओल (18) और अन्य नाबालिग के तौर पर हुई है. वहीं, एक नाबालिग की हालत गंभीर बनी हुई है. यह चारों दोस्त एक साथ गांव या इलाके में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में डांस करने काम करते थे।

मक्के के खेत में पिया कीटनाशक

शनिवार को इन सभी ने खाद की दुकान से एक कीटनाशक दवा खरीदी. बताया जा रहा है कि चारों ने गांव से कुछ दूरी पर जाकर मक्के के खेत में बैठकर बारी-बारी से कीटनाशक दवा को पी लिया. इस बात की जानकारी होते ही इलाके में हड़कंप मच गया. सभी को तुरंत खगड़िया के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पहले तो राजा और सनी ने और फिर एक नाबालिग ने दम तोड़ दिया. इसके अलावा, एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है।

आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी होते ही कनेरिया थाना अध्यक्ष तुरंत फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और मामले की छानबीन शुरू कर दी. घटनास्थल पर FSL की टीम को भी बुलाया गया है. पुलिस ने उस जगह का भी मुआयना किया है, जहां चारों ने एक साथ कीटनाशक दवा खाई थी. पुलिस को मौके से दवा के सैंपल और प्लास्टिक के ग्लास भी मिले हैं. फिलहाल अभी आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है. पुलिस इस गुत्थी को सुलझाने में लगी हुई है कि आखिर चारों ने ऐसा जानलेवा कदम क्यों उठाया।

गाजियाबादः 12 साल में 3 शादियां... सुसाइड करने वालीं 3 बेटियों के पिता के कई हैं 'काले राज', 11 साल पहले प्रेमिका की कैसे हुई थी मौत?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की भारत सिटी सोसाइटी में सामने आए ट्रिपल सुसाइड के मामले ने पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया है. नौवीं मंज़िल से कूदकर तीन नाबालिग बहनों की मौत की इस दर्दनाक घटना को लेकर पुलिस की जांच लगातार जारी है. शुरुआती जांच में नए-नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच का फोकस अब बच्चियों के पिता चेतन की पृष्ठभूमि और उसके निजी जीवन पर केंद्रित है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, 2015 में चेतन की एक महिला मित्र (लिव इन पार्टनर) की शालीमार गार्डन इलाके में कपड़े सुखाते वक्त ऊंचाई से गिरने के कारण मौत हो गई थी. इस घटना के बाद चेतन ने वह फ्लैट खाली कर दिया था. पुलिस अब इस घटना को भी मौजूदा मामले से जोड़कर देख रही है और चेतन की गतिविधियों, ठिकानों और संबंधों की गहन जांच कर रही है।

12 वर्षों में तीन शादियां

जांच में यह भी सामने आया है कि चेतन ने बीते 12 वर्षों में तीन शादियां की हैं. पुलिस को उसके तीन मैरिज सर्टिफिकेट मिले हैं, जिनके अनुसार पहली शादी वर्ष 2010, दूसरी 2013 और तीसरी 2021 में हुई थी. इसके अलावा, उसकी महिला मित्रों को लेकर भी कई जानकारियां पुलिस के सामने आई हैं. जब भी उससे उसके पारिवारिक जीवन या चरित्र को लेकर सवाल किए जाते हैं, वह जवाब देने से बचता नजर आता है. डीसीपी निमेष पाटिल के अनुसार, शुरुआत में चेतन ने केवल दो शादियों की जानकारी दी थी और तीसरी महिला को रिश्तेदार बताया था, लेकिन अब पुलिस के पास तीनों शादियों से जुड़े दस्तावेजी साक्ष्य मौजूद हैं. हालांकि, किसी चौथी शादी की पुष्टि अब तक नहीं हो पाई है. पुलिस इस पूरे घटनाक्रम को बच्चियों की मौत से जोड़कर हर पहलू से जांच कर रही है. गौरतलब है कि साहिबाबाद के टीला मोड़ स्थित भारत सिटी सोसाइटी में रहने वाली तीन बहनों–प्राची, पाखी और उनकी छोटी बहन ने नौवीं मंज़िल से कूदकर जान दे दी थी. शुरुआती जांच में इस घटना को कथित कोरियन ऑनलाइन गेम से जोड़कर देखा गया था, लेकिन अब सामने आ रहे तथ्यों के बाद पुलिस के लिए यह मामला एक जटिल गुत्थी बन गया है. पुलिस इस संभावना की भी जांच कर रही है कि कहीं यह आत्महत्या नहीं बल्कि कोई और आपराधिक घटना तो नहीं, हालांकि इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

क्या बोलीं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष?

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान भारत सिटी सोसाइटी पहुंचीं. उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से जांच की प्रगति की जानकारी ली. उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया बच्चों पर अत्यधिक शैक्षणिक दबाव और माता-पिता की अनदेखी इस घटना का एक बड़ा कारण प्रतीत होता है. डॉ. चौहान ने कहा, बच्चे भविष्य में नहीं, वर्तमान में जीते हैं. उनकी भावनाओं को समझना माता-पिता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है. उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की अपील की. महिला आयोग ने इस घटना के बाद प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि कक्षा पांच से कम उम्र के बच्चों को ऑनलाइन होमवर्क न दिया जाए, ताकि छोटे बच्चों पर पढ़ाई और स्क्रीन का अनावश्यक मानसिक दबाव कम किया जा सके. आयोग ने जिला प्रशासन से मामले की विस्तृत जांच रिपोर्ट भी तलब की है. फिलहाल पुलिस और प्रशासन की टीमें हर एंगल से जांच में जुटी हुई हैं।

दिल्ली में फर्जीवाड़ा कर बनाई थी सरकार... AAP ने BJP के 1 साल को बताया 'फ्रॉड डे'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली में बीजेपी की सरकार बने एक साल हो गया है. 8 फरवरी में विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे, जिसमें बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी. पार्टी ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को शिकस्त देकर 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता पर शानदार वापसी की थी. बीजेपी एक साल पूरा होना का जश्न मना रही है. पार्टी और दिल्ली सरकार इसे उपलब्धि भरा साल बता रही है तो वहीं आम आदमी पार्टी ने इसे फ्रॉड डे करार दिया है. आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज 8 फरवरी है.आज से 1 साल पहले भारतीय जनता पार्टी ने झूठ, चोरी और फर्जीवाड़ा करके दिल्ली में चुनाव जीता था. उन्होंने कहा कि कैसे प्रवेश वर्मा ने 1100 देकर 5 साल का कार्ड बांटा था. आज उनका स्तर देखिए बोले पिताजी का N G O है, इसमें चुनाव कैसे आ गया, उसके बाद N G O से पिताजी का नाम हट गया, चुनाव के बाद नाम गायब. उन्होंने कहा कि कोई अपने पिताजी का नाम कैसे इस्तेमाल कर सकता है?

फर्जीवाड़े की प्रयोगशाला

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज फ्रॉड डे है. फर्जीवाड़ा करके सरकार बनाने की प्रयोगशाला सबसे पहले दिल्ली में शुरू हुई. उन्होंने कहा कि उस समय कांग्रेस चुप थी. जब महाराष्ट्र और बिहार में फर्जीवाड़ा हुआ तो कांग्रेस चीखी, वहीं अब पश्चिम बंगाल में हो रहा है तो कांग्रेस चुप है. उन्होंने कहा कि क्या दिल्ली, बंगाल देश का हिस्सा नहीं है. उन्होंने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल हार जाएं और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी तो अच्छा है, ये ओछी राजनीति नहीं होनी चाहिए।

'फर्जीवाड़ा दिवस की शुभकामनाएं'

AAP नेता ने कहा कि सिर्फ अरविंद केजरीवाल की विधानसभा में जहां पिछले चुनाव में 1 लाख 48 हजार थे, 1 लाख 6 हजार रह गए. उन्होंने कहा कि 42 हजार वोट काट दिए. उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के लिए बीजेपी ने जूते भी बंटे, चप्पल भी बांटी गई, चैन बांटीं गई और चुनाव लूट लिया गया. उन्होंने कहा कि दिल्ली में एक साल पहले फर्जीवाड़े से सरकार बनी थी. आज उस फर्जीवाड़ा दिवस की पहली सालगिरह है शुभकामनाएं देना चाहता हूं. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा 'फर्जीवाड़ा दिवस की शुभकामनाएं' .

जनकपुरी हादसे पर सरकार को घेरा

इसके साथ ही सौरभ भारद्वाज ने जनकपुरी में हुए हादसे को लेकर भी रेखा सरकार को घेरा. उन्होंने कहा कि कमल ध्यानी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है. ज्यादातर मामले में 24 घंटे में रिपोर्ट आती है. 6 तारीख को पोस्टमार्टम हुआ था. उन्होंने सवाल किया कि कॉन्ट्रैक्टर KK Spun को क्यों बचाया जा रहा है? उसका नाम गायब कर दिया गया. लेबर के पीछे दिल्ली पुलिस भाग रही है. उन्होंने कहा कि जनकपुरी हादसे में पहले दिन से दिल्ली सरकार फर्जीवाड़ा कर रही है और असली कॉन्ट्रैक्टर को बचाने के लिए लेबर के पीछे पड़ गई है।

'असली दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही'

AAP नेता ने कहा कि झूठे मंत्रियों ने लीपापोती की कोशिश की, असली दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है. लेबर को पकड़ा जा रहा है. उन्होंने कहा कि उन मंत्रियों को कौन पकड़ेगा जिन्होंने सुबह सुबह कैमरे पर झूठ बोला. उन्होंने कहा कि मंत्री आशीष सूद और प्रवेश वर्मा ने झूठ बोला कि बैरिकेडिंग थी, जबकि दिल्ली पुलिस की FIR में सामने आ गया है कि बैरिकेडिंग नहीं थी।

'मजदूरों को पकड़ा जा रहा है...'

उन्होंने कहा कि अब यूपी जाकर मजदूरों को पकड़ा जा रहा है. एक मजदूर योगेश को पकड़ने चले गए. इन मंत्रियों पर कार्यवाही होगी क्या ?. उन्होंने कहा कि 6 थानों ने FIR नहीं की उनपर क्या कार्रवाई की जाएगी? उन 6 पुलिस स्टेशन का क्या जिसमें पिता भाई दोस्त रात भर घूमे कंप्लेन तक दर्ज नहीं की. उन्होंने कहा कि पुलिस स्टेशन पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई, मतलब उन्हें कहा गया था कि कंप्लेन नहीं लिखनी. उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा के लेवल पर कहा गया है S H O को की रिपोर्ट नहीं लिखनी है ऐसे मामलों में, सतीश गोलछा को गृहमंत्री बोलते है कि मुकदमे ना लिखें जाएं. आंकड़ों को कम रखना है. जैसे प्रदूषण को नहीं AQI को कम किया गया. उन्होंने कहा कि ये फर्जीवाड़े की प्रयोगशाला जिसकी शुरुआत गुजरात से हुई और आज पूरे देश चल रही है।

पीड़ा की धरती पर आशा का वृक्ष: बाबा आमटे

[बाबा आमटे: दुख की धरती पर स्वाभिमान का राजपथ]

[आनंदवन से राष्ट्रनिर्माण तक: बाबा आमटे की विरासत]

कुछ लोग जन्म लेकर नहीं, बल्कि अपने कर्मों से अमर बनते हैं। वे समय की सीमाओं को लांघकर समाज की आत्मा में स्थायी स्थान बना लेते हैं। बाबा आमटे ऐसे ही विरले व्यक्तित्व थे, जिनका संपूर्ण जीवन करुणा, साहस और सेवा का उज्ज्वल प्रतीक बन गया। 9 फरवरी 2008 को भले ही उनकी देह नश्वरता में विलीन हो गई हो, परंतु उनके विचार आज भी असंख्य जीवनों को दिशा और ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। वे केवल एक समाजसेवक नहीं, बल्कि मानवीय चेतना की सजीव अभिव्यक्ति थे, जिन्होंने पीड़ा को संबल और दुर्बलता को आत्मविश्वास में बदल दिया। उनके लिए सेवा कोई औपचारिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आत्मा की तपस्या थी। उन्होंने यह प्रमाणित किया कि स्थायी परिवर्तन बाहरी सहायता से नहीं, बल्कि अंतर्मन की जागृति से उत्पन्न होता है।

26 दिसंबर 1914 को महाराष्ट्र के हिंगणघाट, वर्धा में जन्मे मुरलीधर देवीदास आमटे का प्रारंभिक जीवन वैभव और सुविधा से सुसज्जित था। संपन्न परिवार में पले-बढ़े बाबा आमटे ने बचपन से ही ऐश्वर्य, प्रतिष्ठा और आधुनिक जीवनशैली का अनुभव किया। आकर्षक वस्त्र, तेज रफ्तार वाहन और सामाजिक सम्मान उनके दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा थे। किंतु इस भौतिक चमक-दमक के पीछे उनके मन में एक गहन बेचैनी निरंतर करवट लेती रहती थी। वे जीवन को केवल सुख-साधनों का साधन नहीं मानते थे, बल्कि उसे किसी महान उद्देश्य से जोड़ना चाहते थे। यही आंतरिक मंथन धीरे-धीरे उनके व्यक्तित्व को रूपांतरित करता गया और उन्हें आत्मकेंद्रित सोच से निकालकर सामाजिक दायित्व की ओर अग्रसर करता चला गया।

शिक्षा और बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में बाबा आमटे ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। नागपुर से बी.ए. और एल.एल.बी. की उपाधि प्राप्त कर वे एक सक्षम और प्रतिष्ठित वकील बने। न्यायालयों में कार्य करते हुए उन्होंने देखा कि कानून की पहुंच अक्सर निर्बल और वंचित वर्ग तक नहीं हो पाती। निर्णय तो होते थे, परंतु पीड़ितों की पीड़ा अनसुनी रह जाती थी। इसी काल में एक उपेक्षित कुष्ठ रोगी को असहाय अवस्था में देखकर उनका अंतःकरण विचलित हो उठा। समाज द्वारा ठुकराए गए उस मानव की दुर्दशा ने उनकी आत्मा को भीतर तक झकझोर दिया। उसी क्षण उन्होंने दृढ़ निश्चय किया कि वे अपना संपूर्ण जीवन उन लोगों के उत्थान के लिए समर्पित करेंगे, जिन्हें समाज ने उपेक्षा और तिरस्कार के अंधकार में छोड़ दिया है।

जब संकल्प सच्चा हो और उद्देश्य पवित्र, तब वह इतिहास का रूप ले लेता है। बाबा आमटे के इसी दृढ़ निश्चय ने 1949 में आनंदवन को जन्म दिया। चंद्रपुर जिले की वीरान और उपेक्षित भूमि पर स्थापित यह आश्रम केवल उपचार का केंद्र नहीं, बल्कि स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की कार्यशाला बन गया। यहाँ पीड़ितों को सहानुभूति नहीं, सम्मान की अनुभूति कराई जाती थी। बाबा आमटे ने श्रम, शिक्षा और कौशल को जीवन की आधारशिला बनाया। प्रत्येक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया गया, ताकि वह अपने भविष्य का निर्माण स्वयं कर सके। कृषि, हस्तकला, शिक्षण और उद्योग के माध्यम से आनंदवन आत्मगौरव का प्रतीक बन गया। यह स्थान टूटे हुए आत्मबल को फिर से जाग्रत करने का पावन स्थल बन गया।

एक व्यक्ति नहीं, टूटे जीवनों की पुनर्रचना बाबा आमटे की करुणा और संघर्ष की सीमा कभी किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं रही। उनका हृदय समाज के प्रत्येक उपेक्षित, शोषित और पीड़ित व्यक्ति के लिए धड़कता था। आदिवासी समाज, दिव्यांगजन, निर्धन परिवार और विस्थापित समुदाय सभी उनके संरक्षण और मार्गदर्शन के पात्र बने। वे दृढ़ विश्वास रखते थे कि मनुष्य का मूल्य उसकी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उसकी चेतना, साहस और आत्मसम्मान से मापा जाता है। उन्होंने लोगों के मन से हीनता की भावना को मिटाने का प्रयास किया और यह समझाया कि दुर्बलता कोई अभिशाप नहीं, बल्कि संघर्ष और सफलता की पहली सीढ़ी हो सकती है। उनका लक्ष्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं था, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का निर्माता बनाना था।

प्रकृति के प्रति बाबा आमटे की संवेदनशीलता उनकी दूरदर्शिता का प्रतीक थी। वे विकास के नाम पर पर्यावरण के अंधाधुंध विनाश के प्रखर विरोधी थे। नर्मदा बचाओ आंदोलन में उनकी सक्रिय सहभागिता इसी चेतना का प्रमाण बनी। उनका स्पष्ट मत था कि प्रगति तभी सार्थक है, जब उसमें मानव और प्रकृति दोनों का संरक्षण सुनिश्चित हो। उन्होंने संतुलित विकास की अवधारणा को केवल विचार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि अपने जीवन में उसे आत्मसात किया। उनके लिए नदियाँ, जंगल और भूमि मात्र संसाधन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर थीं। उन्होंने समाज को बार-बार चेताया कि प्रकृति की उपेक्षा करने वाली सभ्यताएँ कभी स्थायी नहीं रह सकतीं।

जब राष्ट्र की आत्मा को जगाने का संकल्प जाग्रत हुआ, तब 1985 में 'भारत जोड़ो अभियान' का सूत्रपात हुआ। यह केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का महाअभियान था। बाबा आमटे ने पैदल चलकर गांव-गांव और नगर-नगर जाकर भाईचारे, सहयोग और सौहार्द का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। उन्होंने लोगों को यह समझाया कि सशक्त राष्ट्र की नींव आपसी विश्वास और समानता पर टिकी होती है। यद्यपि उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत किया गया, किंतु वे कभी इन उपलब्धियों के मोह में नहीं बंधे। पदक और उपाधियाँ उनके लिए महत्वहीन थीं। उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार उन चेहरों की मुस्कान थी, जिन्हें उन्होंने आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का मार्ग दिखाया। यही संतोष उनके जीवन की सबसे मूल्यवान पूंजी था।

त्याग, तपस्या और अटूट संकल्प से निर्मित एक व्यक्ति, एक विचार, एक युग बाबा आमटे का जीवन मानवता की अमर गाथा है। 9 फरवरी 2008 को भले ही उनका पार्थिव शरीर इस संसार से विदा हो गया हो, परंतु उनकी चेतना आज भी समाज के हर कोने में स्पंदित होती है। वे हमें यह शिक्षा देते हैं कि जीवन की सार्थकता केवल स्वयं के सुख में नहीं, बल्कि दूसरों के दुःख को दूर करने में निहित है। प्रेम, करुणा और निरंतर परिश्रम से ही सामाजिक उत्थान संभव होता है। उनके आदर्श हमें निरंतर प्रेरित करते हैं कि हम अन्याय के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़े हों और संवेदनशीलता को अपना आभूषण बनाएं। उनके विचारों को अपने जीवन में उतारना ही उनके प्रति सच्ची और स्थायी श्रद्धांजलि है।

प्रो. आरके जैन

वैश्विक टैरिफ समझौते: भारतीय निर्यातकों एवं उत्पादनकर्ताओं के लिए स्वर्णिम युग

भारत के विदेश व्यापार के इतिहास में वर्तमान समय एक ऐतिहासिक मील के पत्थर के रूप में उभर रहा है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे दुनिया के सबसे प्रभावशाली आर्थिक केंद्रों के साथ किए गए हालिया टैरिफ समझौतों ने भारतीय उत्पादकों और निर्यातकों के लिए असीमित संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। ये द्विपक्षीय संधियाँ न केवल भारतीय बाजार में विदेशी वस्तुओं की पहुंच सुगम बनाएंगी, बल्कि भारतीय उत्पादों को भी वैश्विक पटल पर अधिक प्रतिस्पर्धी, किफायती और सुलभ बनाएंगी। यह रणनीतिक कदम 'ब्रांड इंडिया' को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के केंद्र में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रमुख देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी

व्यापारिक संबंधों की इस नई इबारत में अमेरिका के साथ हुआ तालमेल अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगने वाले शुल्कों में की गई भारी कटौती ने फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र और आईटी, हार्डवेयर जैसे क्षेत्रों को एक नई ऊर्जा प्रदान की है। इसी प्रकार, यूरोपीय संघ के साथ हुआ दीर्घकालिक समझौता भारतीय वस्तुओं को शून्य-टैरिफ की दिशा में ले जा रहा है, जिससे ऑटोमोबाइल, रसायन और कृषि उत्पादों के लिए यूरोप के विशाल बाजार में पैठ बनाना आसान हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ हुए समझौते भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया के साथ आर्थिक सहयोग ने भारतीय मसालों, अनाज और मशीनरी के लिए बाधाओं को समाप्त कर दिया है। वहीं, ब्रिटेन के साथ हुए द्विपक्षीय करार ने वस्त्र और विनिर्माण क्षेत्र के लिए रियायतों का एक नया मार्ग प्रशस्त किया है, जो स्थानीय इकाइयों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन सिद्ध हो सकता है।

इन वैश्विक समझोतों को वास्तविक लाभ में बदलने के लिए भारतीय उत्पादकों को अपनी कार्यप्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन करने होंगे। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को सिद्ध करने के लिए अब उच्च गुणवत्ता, अंतरराष्ट्रीय मानकों की पैकेजिंग और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण पर ध्यान देना होगा।

भारतीय उद्योगों को अब वैश्विक खरीदारों के बीच दीर्घकालिक विश्वास कायम करने के लिए डिजिटल ट्रेसिबिलिटी और पर्यावरण अनुकूल उत्पादन तकनीकों को प्राथमिकता देनी होगी। वस्त्र उद्योग द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन मानकों को अपनाकर हासिल की गई सफलता अन्य क्षेत्रों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण हो सकती है।

व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो ये समझौते केवल व्यापारिक लेनदेन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये देश में बड़े सामाजिक-आर्थिक बदलाव के संकेत हैं। निर्यात में होने वाली वृद्धि से न केवल देश का विदेशी मुद्रा भंडार सुदृढ़ होगा, बल्कि श्रम-गहन क्षेत्रों में रोजगार के लाखों नए अवसर भी पैदा होंगे। यह उपलब्धि भारत के व्यापार असंतुलन को कम करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

अंततः, यह समझना बेहद आवश्यक है कि वैश्विक बाजारों के खुलने के साथ घरेलू बाजार में विदेशी प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। ऐसी स्थिति में भारतीय उद्यमियों की तत्परता और नागरिकों की 'वोकल फॉर लोकल' के प्रति प्रतिबद्धता ही आत्मनिर्भरता की असली कसौटी होगी। इन टैरिफ समझौतों की वास्तविक सफलता इस बात पर टिकी है कि हमारे उत्पादक कितनी कुशलता से वैश्विक मानकों को अपनाते हैं और भारतीय समाज अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को किस प्रकार दिशा देता है।

डा मनमोहन प्रकाश

रंग और मन: प्रकृति से संस्कृति तक का सफर

रंगों की मौन भाषा और मनुष्य की भावनाएँ

भावनाओं के दो रंग: लाल और नीले की दुनिया

रंग केवल देखने की वस्तु नहीं हैं, बल्कि वे हमारे मन, सोच और भावनाओं से गहराई से जुड़े होते हैं। जब हम किसी रंग को देखते हैं, तो वह सीधे हमारे मस्तिष्क पर प्रभाव डालता है। लाल बत्ती देखकर हमारा पैर अपने आप ब्रेक पर चला जाता है, और नीले आसमान को देखकर मन शांति से भर जाता है। यह सब संयोग नहीं है। यह रंगों की वह मौन भाषा है, जो वर्षों से मानव जीवन को दिशा देती आ रही है। लाल हमें सतर्क करता है, उत्तेजित करता है और चेतावनी देता है, जबकि नीला हमें ठहरने, सोचने और शांत रहने का अवसर देता है। इन्हीं दोनों रंगों के माध्यम से प्रकृति और मनुष्य के बीच एक गहरा संवाद चलता रहता है।

लाल रंग ऊर्जा, गर्मी और तीव्रता का प्रतीक माना जाता है। जब कोई व्यक्ति अत्यधिक क्रोधित होता है, तो उसका चेहरा लाल पड़ जाता है। उस समय शरीर में रक्त का प्रवाह तेज़ हो जाता है और हृदय तेजी से धड़कने लगता है। यह शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है, जिसे लड़ने या भागने की स्थिति कहा जाता है। यह प्रतिक्रिया हमें खतरे से बचाने के लिए बनी है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि लाल रंग देखने पर हमारा ध्यान तुरंत केंद्रित हो जाता है और हम अधिक सतर्क हो जाते हैं। इसी कारण लाल रंग चेतावनी का प्रतीक बन गया है।

प्रकृति में भी लाल रंग अधिकतर खतरे और सावधानी से जुड़ा होता है। आग की लपटें लाल होती हैं, खून लाल होता है, और कई विषैले कीड़े तथा फल लाल रंग के होते हैं। यह रंग हमें अनजाने में सावधान रहने का संकेत देता है। हमारे पूर्वजों ने अनुभव के आधार पर यह सीख लिया था कि लाल रंग से जुड़ी चीज़ों से सतर्क रहना आवश्यक है। यही कारण है कि आज भी लाल रंग हमें बेचैन और सक्रिय बना देता है। गुस्से में 'लाल हो जाना' केवल कहावत नहीं, बल्कि शरीर की वास्तविक स्थिति है।

लाल रंग केवल क्रोध का प्रतीक नहीं है, बल्कि प्रेम, उत्साह और जुनून का भी प्रतीक है। प्रेम में डूबे व्यक्ति के चेहरे पर लालिमा आ जाती है। किसी प्रतियोगिता में जीत का जोश भी लाल रंग जैसी तीव्रता लिए होता है। जब कोई व्यक्ति किसी लक्ष्य के प्रति अत्यधिक उत्साहित होता है, तो उसके भीतर भी वही लाल ऊर्जा दौड़ती है। इस प्रकार लाल रंग हर उस भावना से जुड़ा है, जिसमें गर्मी, गति और आवेग होता है। यह हमें आगे बढ़ने और संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।

नीला रंग लाल के बिल्कुल विपरीत प्रभाव डालता है। यह ठंडक, गहराई और विस्तार का प्रतीक है। जब हम खुले नीले आकाश को देखते हैं या समुद्र की नीली लहरों पर ध्यान लगाते हैं, तो मन अपने आप शांत होने लगता है। हमारी साँसें धीमी हो जाती हैं और हृदय की गति सामान्य हो जाती है। यह इसलिए होता है क्योंकि नीला रंग हमारे शरीर के उस हिस्से को सक्रिय करता है, जो विश्राम और संतुलन से जुड़ा होता है। इस कारण नीला हमें मानसिक शांति प्रदान करता है। वैज्ञानिक अनुसंधानों से पता चलता है कि नीले वातावरण में लोग अधिक एकाग्र रहते हैं और कम चिड़चिड़े होते हैं। ऐसे स्थानों पर काम करने वाले लोग बेहतर निर्णय ले पाते हैं और अधिक रचनात्मक होते हैं। प्रकृति में नीला रंग अधिकतर उन तत्वों से जुड़ा होता है, जो दूर और सुरक्षित होते हैं, जैसे आकाश और समुद्र। वहाँ तत्काल कोई खतरा दिखाई नहीं देता, इसलिए हमारा मन भी निश्चिंत रहता है। नीला हमें सुरक्षा और स्थिरता का अनुभव कराता है।

नीला रंग उदासी और गहराई का भी प्रतीक माना जाता है। जब कोई व्यक्ति भीतर से शांत या गंभीर होता है, तो उसे नीले रंग से जोड़ा जाता है। 'नीला मन' का अर्थ होता है गहरी भावना और आत्मचिंतन की अवस्था। यह वह समय होता है, जब व्यक्ति बाहरी दुनिया से थोड़ा दूर होकर अपने भीतर झांकता है। नीला हमें ठहरने, सोचने और स्वयं को समझने का अवसर देता है। इस कारण यह रंग मानसिक संतुलन के लिए अत्यंत उपयोगी है।

रंगों का प्रभाव केवल शरीर और मन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि संस्कृति में भी गहराई से बस जाता है। पश्चिमी देशों में लाल रंग गुस्से का प्रतीक है, जबकि नीला उदासी या शांति का। चीन में लाल रंग शुभ और मंगलकारी माना जाता है और विवाह तथा त्योहारों में इसका विशेष प्रयोग होता है। भारत में नीला रंग आध्यात्मिक शक्ति और संतुलन का प्रतीक है। भगवान कृष्ण का नीला स्वरूप इसी गहराई और शांति का उदाहरण है।

व्यापार और संस्थानों में भी रंगों के इसी मनोविज्ञान का उपयोग किया जाता है। बैंक और बड़ी कंपनियाँ नीले रंग का प्रयोग इसलिए करती हैं, ताकि ग्राहकों को विश्वास और सुरक्षा का अनुभव हो। सामाजिक माध्यमों के प्रतीक भी अधिकतर नीले होते हैं। दूसरी ओर, भोजन की दुकानों में लाल और पीले रंग का उपयोग किया जाता है, ताकि लोगों की भूख बढ़े और वे जल्दी निर्णय लें। इस प्रकार रंग हमारे व्यवहार को बिना बताए नियंत्रित करते हैं।

अस्पतालों में नीले और हल्के रंगों के वस्त्र तथा दीवारें इसलिए होती हैं, ताकि रोगियों को मानसिक शांति मिले। विद्यालयों में हल्के और नीले रंग के कमरे बच्चों को पढ़ाई में ध्यान लगाने में सहायता करते हैं। खेल के मैदान में लाल जर्सी वाली टीम को अधिक आक्रामक और साहसी माना जाता है। इन सभी उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि रंग हमारे विचारों और निर्णयों पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

हालाँकि रंग हमारी भावनाओं को पूरी तरह बदल नहीं सकते, लेकिन उन्हें काफी हद तक प्रभावित अवश्य करते हैं। यदि कोई व्यक्ति पहले से क्रोधित हो और चारों ओर लाल रंग हो, तो उसका गुस्सा और बढ़ सकता है। यदि कोई व्यक्ति दुखी हो और नीले वातावरण में बैठ जाए, तो उसे कुछ शांति मिल सकती है। यह संबंध दोतरफा होता है। हम रंगों को अर्थ देते हैं, और रंग हमें भावनाएँ समझाते हैं।

बचपन से ही हम रंगों के साथ भावनाओं को जोड़ना सीखते हैं। गुस्से में 'लाल होना' और उदासी में 'नीला पड़ जाना' जैसे शब्द हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। यह प्रकृति और संस्कृति के मेल का सुंदर उदाहरण है। रंग हमारे जीवन की अदृश्य भाषा बन जाते हैं, जिन्हें हम बिना बोले समझ लेते हैं।

लाल और नीला दोनों ही हमारे जीवन के लिए आवश्यक हैं। लाल हमें साहस, ऊर्जा और सतर्कता प्रदान करता है। नीला हमें शांति, संतुलन और आत्मविश्वास देता है। इन दोनों के बिना जीवन अधूरा है। जब अगली बार कोई रंग आपकी आँखों के सामने आए, तो केवल उसे देखिए नहीं, बल्कि महसूस कीजिए। वह आपसे कुछ कह रहा है। वह आपके मन और भावनाओं की कहानी सुना रहा है। क्योंकि रंग केवल दिखाई नहीं देते, वे हमारे जीवन से संवाद करते हैं और हमें स्वयं से जोड़ते हैं।

कृति आरके जैन

संपादकीय

राष्ट्रवाद का समावेषी चरित्र,चेतना, लोकतांत्रिक अधिनायकवाद के परहेज की आवश्यकता

राष्ट्रवाद राष्ट्र-की वैचारिक आधारशिला है। यह केवल भौगोलिक सीमाओं या राजनीतिक सत्ता से संबद्ध अवधारणा नहीं है, बल्कि साझा इतिहास, सांस्कृतिक स्मृति, संवैधानिक मूल्यों और नागरिक उत्तरदायित्वों का समन्वित स्वरूप है। राष्ट्रवाद का मूल चरित्र सार्वभौमिक और समावेशी होता है, जो समानता, स्वतंत्रता, न्याय और मानवीय गरिमा जैसे मूल सिद्धांतों को पुष्ट करता है। ऐतिहासिक रूप से यह सिद्ध हुआ है कि राष्ट्र-निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया में राष्ट्रवादी चेतना की भूमिका निर्णायक रही है। किंतु जब यही चेतना सत्ता-केंद्रित राजनीति, संकीर्ण वैचारिक आग्रहों और तात्कालिक राजनीतिक लाभों से संचालित होने लगती है, तब यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन जाती है। लोकतांत्रिक राष्ट्र में प्रत्येक नागरिक का यह नैतिक और संवैधानिक दायित्व है कि वह राष्ट्र के प्रति निष्ठावान और सजग रहे। किंतु इस निष्ठा का आशय अंध-समर्थन या आलोचनात्मक विवेक का त्याग नहीं है। दुर्भाग्यवश, समकालीन राजनीतिक परिदृश्य में राष्ट्रवाद को धर्म, जाति और संप्रदाय के साथ जोड़कर सत्ता-प्राप्ति का साधन बनाए जाने की प्रवृत्ति निरंतर बढ़ी है। ऐसी राजनीति न केवल राष्ट्रीय एकता को खंडित करती है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता और निष्पक्षता को भी कमजोर करती है। इतिहास साक्षी है कि सत्ता के दीर्घकालिक केंद्रीकरण ने राजाओं, सम्राटों और शासकों को निरंकुश बनाया है। आधुनिक लोकतंत्र में भी यह खतरा कम नहीं हुआ है, बल्कि अधिक परिष्कृत रूप में उपस्थित है। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत सत्ता का निरंतर आवर्तन है। सत्ता का परिवर्तनशील होना शासन को उत्तरदायी, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाता है। इसके विपरीत, जब सत्ता लंबे समय तक एक ही राजनीतिक शक्ति के अधीन रहती है, तो अधिनायकवादी प्रवृत्तियों का उदय स्वाभाविक हो जाता है। अवसरवादी राजनीति, पद-लोलुपता और जातिगत समीकरणों का अतिवादी प्रयोग लोकतांत्रिक संतुलन को बिगाड़ देता है। इस प्रक्रिया में जनता को दूरगामी राष्ट्रीय हितों के स्थान पर तात्कालिक लाभों के प्रलोभन में उलझाया जाता है, जिससे नीति-निर्माण की गुणवत्ता और राष्ट्रीय विकास की क्षमता दोनों प्रभावित होती हैं।

लोकतंत्र में राजनीति का उद्देश्य जनभावनाओं का शोषण नहीं, बल्कि उनका संरक्षण और संवर्द्धन होना चाहिए। किंतु जब राजनीति का केंद्र बिंदु सत्ता-प्राप्ति और सत्ता स्थायित्व बन जाता है, तब सिद्धांतों की प्रतिबद्धता कमजोर पड़ जाती है। अवतारवाद, सस्ती लोकप्रियता और भावनात्मक ध्रुवीकरण लोकतंत्र को भीतर से खोखला कर देते हैं। भारतीय राजनीतिक परंपरा में 'शाम, दाम, दंड, भेद' को शासन के उपकरण के रूप में स्वीकार किया गया है, किंतु आधुनिक संवैधानिक लोकतंत्र में इनका अति प्रयोग अनुशासन, नैतिकता और संस्थागत विश्वास को क्षीण करता है। लोकप्रियता को मापने के सुदृढ़ लोकतांत्रिक उपकरणों के अभाव में कई बार संगठित किंतु संख्यात्मक रूप से छोटे समूह नीति-निर्माण पर विपरीत प्रभाव डालने लगते हैं। यह स्थिति बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत है। दलबदल, अवसरवादी गठबंधन और सिद्धांतहीन राजनीतिक व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षरण के प्रमुख कारण बन चुके हैं। भारतीय संविधान के भीतर विद्यमान कुछ प्रक्रियात्मक छिद्रों का उपयोग कर राजनीतिक दल सत्ता-संरक्षण के जटिल ताने-बाने बुनते हैं, जिनके दीर्घकालिक दुष्परिणाम समाज और राष्ट्र दोनों को भुगतने पड़ते हैं। जातिवादी राजनीति और लोकप्रियता की व्यावहारिक मजबूरियों ने खाप पंचायतों जैसी समानांतर संरचनाओं को जन्म दिया है। ये संरचनाएँ पंचायती राज व्यवस्था को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करती हैं, जिससे लोकतंत्र की जमीनी संस्थाएँ कमजोर होती हैं। इसी प्रकार, धर्म और धार्मिक प्रथाओं में समानता तथा स्वतंत्रता का हनन तुष्टीकरण-आधारित राजनीति का प्रतिफल है। लोकतांत्रिक समाज में समानता, स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत किसी भी नीति-निर्णय के मूल में होने चाहिए। एकतरफा और भावनात्मक निर्णय इन मूल्यों के प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न करते हैं।

अतिराष्ट्रवाद की अवधारणा, जब लोकतांत्रिक विवेक से विमुख हो जाती है, तब तानाशाही प्रवृत्तियों को वैधता प्रदान करने लगती है। सैनिक राष्ट्रवाद, भय की राजनीति और सस्ती लोकप्रियता ने बीसवीं शताब्दी में अनेक देशों में लोकतंत्र को क्षतिग्रस्त किया है। पाकिस्तान, म्यांमार और उत्तर कोरिया जैसे उदाहरण दर्शाते हैं कि सुरक्षा और राष्ट्रहित के नाम पर सैन्य या अधिनायकवादी नियंत्रण किस प्रकार लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित कर सकता है। ये उदाहरण लोकतंत्र के लिए सतत चेतावनी के रूप में देखे जाने चाहिए। लोकतंत्र का अंतिम उद्देश्य जनता का विश्वास अर्जित करना, उनकी सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना और उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करना है। किंतु जब शासन सत्ताचरित्र, अवसरवाद और सत्ता में बने रहने की रणनीतियों में उलझ जाता है, तब लोकतंत्र के संस्थागत स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया कमजोर होने लगते हैं। ऐसे समय में समाज के प्रबुद्ध, सजग और जिम्मेदार वर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि समय रहते विवेकपूर्ण हस्तक्षेप नहीं हुआ, तो लोकतंत्र के दुरुपयोग के परिणाम दीर्घकालिक और विध्वंसकारी हो सकते हैं। अतः यह आवश्यक है कि तात्कालिक लोकप्रियता और अवसरवादी लाभों के स्थान पर संतुलित, समावेशी और बहुआयामी लोकतांत्रिक विकास को प्राथमिकता दी जाए। सरकार, राजनीतिक दल, मीडिया, सिविल सोसाइटी और नागरिक समाज—सभी को मिलकर संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक सिद्धांतों और सामाजिक संतुलन की रक्षा करनी होगी। यही समेकित प्रयास राष्ट्रवाद को उसकी मूल, मानवीय और उदात्त चेतना में पुनर्स्थापित कर सकता है तथा लोकतंत्र को अधिनायकवाद की संभावित खतरों से सुरक्षित रख सकता है।

संजीव ठाकुर

कैंसर का बढ़ता साया और समय रहते चेतना की ज़रूरत

महिलाओं के स्वास्थ्य से लेकर समाज की सामूहिक जिम्मेदारी तक

देश में कैंसर अब केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक चुनौती बन चुका है। हालिया संसदीय आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में तेज़ बढ़ोतरी हो रही है, वहीं ओवेरियन कैंसर जानलेवा साबित हो रहा है। यह स्थिति केवल चिकित्सा व्यवस्था की परीक्षा नहीं है, बल्कि हमारी जीवनशैली, जागरूकता, समय पर जांच और सरकार की प्राथमिकताओं पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। कैंसर की बढ़ती रफ्तार यह संकेत देती है कि यदि अभी ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गहराएगा।

ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में बढ़ोतरी का एक बड़ा कारण शहरीकरण और बदलती जीवनशैली है। देर से विवाह, देर से मातृत्व, कम शारीरिक गतिविधि, तनाव, असंतुलित खान-पान और मोटापा ऐसे कारक हैं जो धीरे-धीरे शरीर में हार्मोनल असंतुलन पैदा करते हैं। इसके साथ ही ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में जानकारी की कमी के कारण महिलाएं शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देती हैं। परिणामस्वरूप जब तक बीमारी सामने आती है, तब तक वह गंभीर अवस्था में पहुंच चुकी होती है। ओवेरियन कैंसर इसीलिए सबसे घातक माना जाता है क्योंकि इसके लक्षण शुरू में बहुत सामान्य होते हैं और अक्सर पेट की समस्या या थकान समझकर टाल दिए जाते हैं।

इससे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है समय पर पहचान। नियमित स्क्रीनिंग, स्वयं परीक्षण और डॉक्टर से परामर्श ऐसी आदतें हैं जिन्हें सामान्य जीवन का हिस्सा बनाना होगा। ब्रेस्ट कैंसर के लिए आत्म-परीक्षण एक सरल लेकिन प्रभावी तरीका है, जिसे हर महिला को सीखना चाहिए। ओवेरियन और सर्वाइकल कैंसर के लिए अल्ट्रासाउंड, पैप स्मीयर और अन्य जांचें समय-समय पर कराना जरूरी है। इसके साथ ही संतुलित आहार, जिसमें हरी सब्जियां, फल, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर हों, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद केवल सामान्य स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि कैंसर जैसी बीमारियों से लड़ने में भी मददगार है।

रोकथाम का मार्ग केवल व्यक्तिगत प्रयासों से नहीं, बल्कि सामूहिक सोच से प्रशस्त होता है। समाज में कैंसर को लेकर भय और मिथकों को तोड़ना जरूरी है। आज भी कई परिवारों में कैंसर को लाइलाज मान लिया जाता है, जबकि सच यह है कि शुरुआती चरण में पहचाना गया कैंसर काफी हद तक ठीक हो सकता है। स्कूलों और कॉलेजों में स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से किशोरियों को शरीर और स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाना भविष्य की बड़ी तैयारी हो सकती है। कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच की सुविधा देना भी एक प्रभावी कदम होगा। सरकार की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में बेहद अहम है। जिला स्तर पर डे-केयर कैंसर सेंटर, मोबाइल स्क्रीनिंग वैन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक जांच उपकरणों से लैस करना समय की मांग है। केवल बड़े शहरों में एम्स या कैंसर संस्थान बना देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। बिहार और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में तेज़ी से बढ़ते मामलों के पीछे स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरी और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी भी एक कारण है। सरकार को यह समझना होगा कि कैंसर का इलाज केवल अस्पतालों में नहीं, बल्कि नीति, बजट और ज़मीनी क्रियान्वयन से जुड़ा है।

गरीब परिवारों के लिए कैंसर इलाज आज भी सबसे बड़ा आर्थिक संकट बन जाता है। कई बार लोग बीमारी से ज्यादा इलाज के खर्च से टूट जाते हैं। ऐसे में सरकार को बीमा योजनाओं को और व्यापक व व्यावहारिक बनाना होगा। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं में कैंसर के इलाज की सीमा बढ़ाई जानी चाहिए और निजी अस्पतालों की मनमानी पर सख्त नियंत्रण होना चाहिए। इसके अलावा दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करना और जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता बढ़ाना गरीबों के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। कैंसर के मरीजों के लिए यात्रा, पोषण और मनोवैज्ञानिक सहायता भी उतनी ही जरूरी है, जितनी कीमोथेरेपी या सर्जरी। एक अहम लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू है मानसिक स्वास्थ्य। कैंसर का नाम सुनते ही मरीज और परिवार मानसिक रूप से टूट जाते हैं। भय, अपराधबोध और सामाजिक दबाव इलाज को और कठिन बना देता है। यदि हर बड़े अस्पताल में काउंसलिंग और सपोर्ट ग्रुप अनिवार्य हों, तो मरीजों का आत्मविश्वास बढ़ सकता है। शोध बताते हैं कि सकारात्मक मानसिक स्थिति इलाज के परिणामों को बेहतर बनाती है। यह जानकारी अभी आम चर्चा का हिस्सा नहीं है, लेकिन इसका महत्व कम नहीं है।भविष्य में कैंसर का खतरा पूरी तरह खत्म होगा या नहीं, यह कहना कठिन है। लेकिन विज्ञान और तकनीक की प्रगति से उम्मीद ज़रूर बंधती है। जीन-आधारित जांच, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस डायग्नोस्टिक सिस्टम और पर्सनलाइज्ड मेडिसिन कैंसर के इलाज की दिशा बदल रहे हैं। आने वाले वर्षों में यह संभव है कि कैंसर को एक घातक बीमारी की बजाय एक नियंत्रित दीर्घकालिक रोग के रूप में देखा जाए। इसके लिए रिसर्च और स्वदेशी तकनीक में निवेश बढ़ाना होगा, ताकि इलाज केवल अमीरों तक सीमित न रहे। एक नई और महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि पर्यावरण प्रदूषण और कैंसर के बीच संबंध अब और स्पष्ट हो रहा है। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण, पानी में घुले रसायन और भोजन में कीटनाशकों का असर धीरे-धीरे शरीर में जमा होता है। यह तथ्य अभी नीति-निर्माण में पर्याप्त जगह नहीं पा सका है। यदि पर्यावरण संरक्षण को स्वास्थ्य नीति से जोड़ा जाए, तो कैंसर की रोकथाम में बड़ी सफलता मिल सकती है। साफ हवा, स्वच्छ पानी और सुरक्षित भोजन केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का आधार हैं।

अंततः कैंसर से लड़ाई किसी एक व्यक्ति, डॉक्टर या सरकार की नहीं है। यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जागरूक नागरिक, संवेदनशील सरकार और मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था मिलकर ही इस संकट का सामना कर सकते हैं। यदि आज हम समय रहते चेत गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इस भयावह बीमारी से काफी हद तक बचाया जा सकता है। कैंसर का भविष्य पूरी तरह खत्म होना शायद संभव न हो, लेकिन उसका भयावह वर्तमान जरूर बदला जा सकता है, बशर्ते हम इसे केवल खबर नहीं, चेतावनी मानें।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

होमगार्ड की मौत के मामले में डंपर चालक पर मामला दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। सड़क हादसे में होमगार्ड की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। कोतवाली पुलिस ने मृतक के बेटे की तहरीर पर डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गत एक फरवरी को डलमऊ रोड पर बहाई गांव के लालबेग का पुरवा मोड़ के पास घटना हुई। होमगार्ड रामनाथ यादव ट्रक में लिफ्ट लेकर ड्यूटी से घर जा रहे थे। इसी दौरान ट्रक सामने खड़े डंपर से टकरा गया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक के बेटे लवकुश ने पुलिस को तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर डंपर चालक पर लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बाइक सवार ने पैदल जा रहें बुजुर्ग को मारी टक्कर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के मेरुई गांव के पास शनिवार को तेज रफ्तार बाइक ने पैदल जा रहे बुजुर्ग किसान को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गांव निवासी राजाराम (70) खेत से पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान साउंड लादकर जा रही बाइक बेकाबू हो गई। बाइक सवार युवक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बुजुर्ग सड़क पर औंधे मुंह गिर पड़े। राहगीरों ने घायल बुजुर्ग को फौरन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। बाद में हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

आधे घंटे की गैरहाजिरी, लाखों का नुकसान! पूर्वी दिल्ली में घर से शादी के गहने और लाखों की नकदी ले उड़े चोर

चंद्रलोक में दिनदहाड़े बंद घर से लाखों की चोरी।

परिवार के आधे घंटे बाहर रहने पर चोरों ने की वारदात।

शादी के लिए जमा गहने और नकदी भी चोरी हुई।

पूर्वी दिल्ली। शाहदरा जिले के चंद्रलोक इलाके में दिनदहाड़े चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के गहने और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना मानसरोवर पार्क थाना क्षेत्र की है, जहां परिवार के सभी सदस्य आधे घंटे के लिए घर से बाहर थे। इसी दौरान चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित कमलजीत सिंह निजी कंपनी में कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ दवाई लेने के लिए डिस्पेंसरी गए थे। दोपहर 12बजे उनके माता-पिता बच्चों को स्कूल से लेने गए थे।

घर लौटे तो टूटा मिला ताला

12.30 बजे जब माता-पिता लौटे तो घर का ताला टूटा था। घर के अंदर रखी अलमारी का ताला तोड़कर सोने-चांदी के गहनों के साथ नकदी चोरी कर ली गई। चोरी गए सामान में झुमकी, कानों के टाप्स, 11 अंगूठियां, तीन पायल, बच्चों के चांदी के कड़े, चांदी के बर्तन और करीब 1.30 लाख रुपये नकद शामिल हैं। सूचना पर मानसरोवर पार्क थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और क्राइम टीम व एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। फिंगर प्रिंट और अन्य साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया पूरी की गई।

अप्रैल में है घर में शादी सदमे में परिवार

कमलजीत ने बताया कि अप्रैल में उनके घर में उनकी बहन की शादी है इसलिए घर में ज्वेलरी इकट्ठा कर रखी थी। लेकिन चोर सब कुछ उड़ा कर ले गए। इसके बाद से परिवार के लोग सदमे में है।पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। दवा है जल्द चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

परेशानी पीएचसी पर वैक्सीन नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। जहांगीराबाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर इन दिनों कुत्ता काटने पर लगाई जाने वाली वैक्सीन न होने से लोगों को 13 किलोमीटर दूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां, रेउसा, सांडा आदि जगहों पर जाकर वैक्सीन के इंजेक्शन लगवाने पड़ रहे हैं जिसमें पीड़ितों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। जहांगीराबाद में कुत्तों का आतंक जारी है। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन चार दिनों के अन्दर तीन लोगों को कुत्ते ने काटा है। लोगों को घरेलू उपचार के बाद इलाज के लिए बिसवां सीएचसी भेजा गया है। जहांगीराबाद निवासी ग्यारह वर्षीय बालक दुर्गेश गत वृहस्पतिवार को घर के बाहर खड़ा था कि अचानक कुत्ते ने आकर उसके बायें पैर में काट लिया। दूसरे दिन शुक्रवार को जहांगीराबाद में ही उसी कुत्ते ने हमला कर सिराज के पैर में काट लिया जिससे खून बहने लगा। वह कुत्ता आये दिन बकरियों व बच्चों को दौड़ा लेता है। जहांगीराबाद पीएचसी प्रभारी डा0 अंशुमान शुक्ल ने बताया कि पीएचसी पर वैक्सीन उपलब्ध नहीं है इसलिए इलाज के लिए बिसवां सीएचसी जाना पड़ेगा। जहांगीराबाद सहित आसपास के तमाम लोगों ने जहांगीराबाद

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कुत्ता काटने पर लगाई जाने वाली वैक्सीन उपलब्ध कराये जाने की मांग की है।

चलती बाइक से महिला ने लगाई छलांग, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के रायबरेली रोड स्थित फायर स्टेशन के पास शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला चलती बाइक से अचानक सड़क पर कूद गई। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार गौराकाशी मोहल्ला निवासी पूजा चौरसिया (40) पत्नी राहुल चौरसिया अपने बेटे रुद्राक्ष के साथ बाइक से नगर के आचार्य नगर मोहल्ला स्थित शनि मंदिर से दर्शन कर वापस लौट रही थीं। फायर स्टेशन के पास पहुंचते ही महिला ने अचानक चलती बाइक से छलांग लगा दी। घटना को देखकर मौके पर मौजूद फायर स्टेशन के कर्मचारियों ने तुरंत मदद की और पुलिस को सूचना दी। फायर कर्मियों द्वारा घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। युवक ने डॉक्टरों को बताया कि महिला ने अचानक चलती बाइक से छलांग लगा दी, जिससे यह हादसा हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चार दिन से लापता युवक का तालाब में मिला शव इलाक़े में दहशत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका शरीर पर चोट के निशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के थानगांव थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के बाहर एक तालाब में युवक का शव उतराता हुआ मिला। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने शव की पहचान 3 फरवरी से लापता 20 वर्षीय मनीष कश्यप पुत्र नरेश कश्यप के रूप में की घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए और रोते-बिलखते नजर आए। परिजनों ने बताया कि मनीष कश्यप 3 फरवरी की शाम एक नव निर्मित पुलिया के पास से अचानक गायब हो गया परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। परिजनों ने युवक की हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई है परिजनों का आरोप है कि हत्या को छिपाने के लिए शव को रात के अंधेरे में तालाब में फेंका होना प्रतीत होता है। शव की स्थिति देखकर हत्या की आशंका और गहरी हो गई है। मृतक के नाक से रक्तस्राव होने के

साथ-साथ शरीर पर चोट के कई निशान भी पाए गए हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि युवक के साथ मारपीट की गई थी। घटना के बाद गांव में दहशत और शोक का माहौल व्याप्त है। थानगांव थानाध्यक्ष विमल गौतम ने बताया कि सूचना मिलने के बाद से ही पुलिस लापता युवक की तलाश कर रही थी। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए विधिक कार्रवाई की जा रही है!!

ट्रेन की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल लखनऊ रेफर, नैमिषारण्य रेल मार्ग पर ट्रैक पार करते समय कटा पैर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के नैमिषारण्य थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव के पास गुजर रही रेलवे लाइन पर शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका एक पैर कट गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार लक्ष्मणपुर गांव निवासी लल्लू (51) किसी जरूरी काम से घर से निकले थे। इसी दौरान ट्रैक पार करते समय सीतापुर की ओर से आ रही एक मालगाड़ी की चपेट में वह आ गए। हादसा इतना भीषण था कि युवक का एक पैर कट गया और सिर में भी गंभीर चोट आई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल नैमिषारण्य स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे वहां मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज

लखनऊ रेफर कर दिया गया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक जयप्रकाश पटेल ने बताया कि घायल की स्थिति बेहद नाजुक थी। प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे उच्च चिकित्सा केंद्र भेजना आवश्यक था, इसलिए मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर किया गया है मालूम हो कि लक्ष्मणपुर और आसपास के इलाकों में रेलवे लाइन के पास सुरक्षा इंतजामों की कमी के चलते लगातार हादसे सामने आ रहे हैं इससे पहले भी इस क्षेत्र में ट्रेन से कटने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। हाल ही में स्कूल जा रही एक छात्रा भी ट्रेन हादसे का शिकार हुई थी, जिसमें उसके दोनों पैर कट गए थे। ग्रामीणों ने रेलवे प्रशासन से जल्द सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके!!

सिद्धार्थनगर में धारदार हथियार से प्रहार कर युवक की हत्या, पांच नामजद, चार गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर, खेसरहा थाना क्षेत्र के ग्राम बनोहिया बुजुर्ग निवासी मनोज (25) पुत्र दयाराम शनिवार की सुबह दूध देने निकले युवक की पहले से घात लगाकर बैठे हमलावरों ने धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी, पहले धारदार हथियार व लोहे के रॉड से सिर पर कई वार किए इसके बाद धारदार हथियार से हत्या कर फरार हो गए। हत्यारे गांव के लिए लोग बताए जा रह हैं। उनका 10 दिन पहले युवक से विवाद हुआ था। राहगीरों ने सड़क किनारे खून से लथपथ युवक को देखा। उन्होंने तत्काल डायल 112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस तो युवक की सांसे चल रही थी। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, इस संबंध में थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा ने बताया की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 5 लोगों पर नामजद मुकदमा दर्ज किया है। जिसमें से चार को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं एक आरोपी अभी फरार है। उसकी भी तलाश की जा रही है।

नशे में धुत भतीजे ने की ताऊ की हत्या बाइक जलाने का विरोध करने पर हथौड़ी से किया हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सहरोई सिकटिया गांव में शुक्रवार देर रात घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया नशे में धुत एक युवक ने अपने ही ताऊ पर हथौड़ी से हमला कर दिया, जिससे उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई घटना से गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लिया है जानकारी के अनुसार, गांव निवासी अनूप कुमार पुत्र राधेश्याम शराब के नशे में घर पहुंचा था। इस दौरान उसके भाई ने शराब पीने का विरोध किया, जिस पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर अनूप ने गुस्से में आकर अपनी बाइक गांव के रास्ते पर ही जला दी। बाइक जलते देख उसके ताऊ गंगाराम पुत्र दुलारी मौके पर पहुंचे और अनूप को डांटने लगे बताया जाता है कि ताऊ की फटकार से अनूप और अधिक उग्र हो गया और पास में रखी हथौड़ी उठाकर गंगाराम के सिर पर जोरदार वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल गंगाराम को परिजन तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई घटना के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर तिहार चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। चौकी इंचार्ज इंद्रजीत पुलिस बल के साथ तथा थाना अध्यक्ष श्यामू कनौजिया ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं आरोपी अनूप कुमार को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसे जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है प्रारंभिक जांच में घटना का कारण शराब के नशे में हुआ पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। इस दर्दनाक घटना से गांव में शोक का माहौल व्याप्त है सीओ महोली नागेंद्र चतुर्वेदी का कहना है कि शराब के नशे में वारदात को अंजाम दिया गया है आरोपी युवक को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है!!

आकाशवाणी लखनऊ के लोकप्रिय कार्यक्रम लोकायतन में होगा बिसवां के साहित्यिकार संदीप मिश्रा 'सरस' के अवधी काव्यपाठ का प्रसारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर आकाशवाणी लखनऊ के लोकप्रिय कार्यक्रम लोकायतन में होगा बिसवां के साहित्यकार सन्दीप मिश्र 'सरस' के अवधी काव्यपाठ का प्रसारण)प्रतिष्ठित आकाशवाणी केंद्र लखनऊ में गत दिवस 'लोकायतन' कार्यक्रम में 'लोकभाषा कवि गोष्ठी' की रिकॉर्डिंग हुई। जिसमें साहित्यकार सन्दीप मिश्र 'सरस' के साथ गंगागंज लखनऊ की रचनाकार, कुसुमाकर कुसुम और बाराबंकी के जगन्नाथ दीक्षित निर्दोष भी सम्मिलित रहे। काव्य गोष्ठी का संचालन संदीप मिश्र सरस ने किया। रेडियो के लोकप्रिय कार्यक्रम 'लोकातयन' में 8 फरवरी 2026 दिन रविवार को शाम 6 बजकर 30 मिनट से आकाशवाणी लखनऊ पर इस कार्यक्रम का प्रसारण होगी। इसे मीडियम वेव 747 किलो हर्टज या ठ्द्ग2ह्य श्ठ्ठ ड्डद्वह्न ऐप पर सुना जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि 'साहित्य सृजन संस्थान' के संस्थापक/अध्यक्ष संदीप मिश्र 'सरस', साहित्य की विभिन्न विधाओं में अपने लेखन से निरंतर सक्रिय अवदान देते रहे हैं और अपने चर्चित कॉलम विमर्श, संवाद, बेबाक, कलमकार, रचनाकर, सृजन के सारथी, आदि के माध्यम से तमाम प्रतिष्ठित साहित्यकारों, नवोदित प्रतिभाओं से संवाद करते रहते हैं। उन्होंने बिसवां क्षेत्र की बौद्धिक समृद्धता के लिए 'साहित्य सृजन संस्थान' द्वारा 'सृजन पुस्तकालय' की स्थापना की है। उनके लेखन में एकता और राष्ट्रवादी चेतना के समसामयिक स्वर हैं वहीं दूसरी ओर घर आंगन के रिश्तो की आत्मीयता और सभ्यता संस्कृति की संवेदना से जुड़ा प्रभावी सृजन है। वे अपनी रचनाधर्मिता में जन सरोकारों से सीधा संवाद करते हैं और उनकी रचनाओं में ग्राम्य

संस्कृति, पर्यावरण, जन जागरूकता के संदर्भों की चेतना सदैव जीवंत रहती है। उनकी पुस्तक 'कुछ गजलें कुछ गीत हमारे' बेहद सराही गयी और कई महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशन के क्रम में हैं। देश की तमाम प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में उनकी रचनाएं प्रकाशित होती रहती है। न्यूज18, आकाशवाणी व दूरदर्शन लखनऊ से उनके काव्य पाठ का प्रसारण होता रहता है।

राज्य कर विभाग की कार्यप्रणाली और सुविधाओं को लेकर सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन

● ....प्रमुख सचिव और कमिश्नर से मिला प्रतिनिधिमंडल; पार्किंग, कैंटीन और जीएसटी पोर्टल की समस्याओं के त्वरित समाधान का मिला आश्वासन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन, लखनऊ के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को शासन और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट कर व्यापारियों व अधिवक्ताओं को आ रही व्यावहारिक दिक्कतों की ओर ध्यान आकर्षित किया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रमुख सचिव राज्य कर (उत्तर प्रदेश शासन) कामिनी रतन चौहान और राज्य कर कमिश्नर नितिन बसंत से मुलाकात की। इस दौरान विभाग की वर्तमान कार्यप्रणाली, प्रशासनिक जटिलताओं और बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। बैठक में मुख्य रूप से राज्य कर भवन में अधिवक्ताओं की बढ़ती संख्या के मद्देनजर अधिवक्ता कक्ष के विस्तार, जर्जर हो चुकी पार्किंग व्यवस्था में सुधार और बंद पड़ी कैंटीन को पुनः शुरू करने जैसी मूलभूत मांगों को प्रमुखता से उठाया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को अवगत कराया कि हाल ही में किए गए सेक्टर परिवर्तन के कारण जीएसटी पंजीकरण और पोर्टल के संचालन में कई तकनीकी बाधाएं आ रही हैं, जिससे न केवल काम में विलंब हो रहा है बल्कि व्यापारियों को भी अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्र और महामंत्री शिव कुमार पाण्डेय ने वादों के निस्तारण, अपील प्रक्रिया में तेजी लाने और प्रशासनिक विसंगतियों को दूर करने पर जोर दिया। प्रमुख सचिव और कमिश्नर ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण हेतु निर्देशित करने का आश्वासन दिया। इस दौरान एसोसिएशन के कई अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने उम्मीद जताई कि शासन के सकारात्मक रुख से जल्द ही अधिवक्ताओं और व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी।

अशोक नगर के लोगों को जल्द ही जर्जर सड़कों से मिलेगी मुक्ति, 16 लाख की लागत से निर्माण कार्य शुरू

अशोक नगर वार्ड में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ।

लगभग 16 लाख रुपये की लागत से होगा निर्माण।

पूर्वी दिल्ली। अशोक नगर वार्ड में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। लगभग 16 लाख रुपये की लागत से क्षेत्र की कई सड़कों का निर्माण किया जाएगा। निर्माण कार्य का उद्घाटन करते हुए स्थानिय विधायक जितेंद्र महाजन ने कहा कि आज अशोक नगर के लोगों की बहुप्रतिक्षित कार्य का शुरूआत किया गया हैं , जिसमें कई मुख्य मार्गो का निर्माण किया जाएगा। पार्षद रीना माहेश्वरी ने कहा कि अशोक नगर के लोगों को टूटी और बेहाल सड़कों से आब निजात मिलेगी। लंबे समय से सड़क निर्माण के लिए बजट की दरकार थी जो अब मिल गया है। इस अवसर पर विनीत राठी, संजय पांचाल, मुकेश महेश्वरी, विकास भारद्वाज, अनिल कटारिया, आशीष तिवारी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मलिहाबाद-मोहान मार्गः निर्माण की लापरवाही बनी मौत का जाल, रात में गड्ढों में गिर रहे वाहन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद- मोहान मार्ग पर निर्माण कार्य हादसों का बड़ा कारण बन रहा है लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा मलिहाबाद से मोहान तक करीब 16 किलोमीटर लंबे मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का कार्य चल रहा है, लेकिन विभाग की लापरवाही के कारण यह मार्ग अब हादसों का प्रमुख केंद्र बन गया है। सड़क के दोनों ओर जेसीबी मशीनों से लगभग 1.5 मीटर चौड़ा और करीब 2 फीट गहरा खोदा जा रहा है, ताकि मार्ग को विस्तार दिया जा सके। हालांकि, निर्माण स्थल पर कोई उचित संकेतक बोर्ड, बैरिकेडिंग या चेतावनी लाइट नहीं लगाई गई है। स्थानीय लोगों और राहगीरों के अनुसार, दिन में तो किसी तरह काम चल जाता है, लेकिन रात के समय खोदी गई सड़क अंधेरे में दिखाई नहीं देती। केवल खानापूर्ति के तौर पर कुछ बोरियों में मिट्टी भरकर रख दी गई है, जो पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं करती। इस कारण ट्रक, अन्य भारी वाहन अनियंत्रित होकर पलट जा रहे हैं, जबकि बाइक सवार

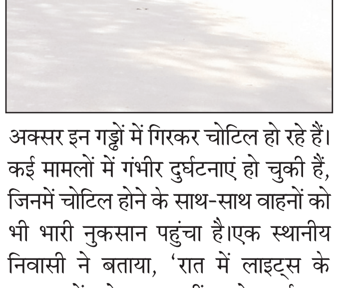

अक्सर इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। कई मामलों में गंभीर दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें चोटिल होने के साथ-साथ वाहनों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।एक स्थानीय निवासी ने बताया, 'रात में लाइट्स के अभाव में गड्ढे नजर नहीं आते। कई बार बाइक वाले सीधे गिर जाते हैं। ट्रक ड्राइवर भी कहते हैं कि अचानक गड्ढा आने से वाहन संभाल नहीं पाते। पीडब्ल्यूडी को तुरंत संकेतक बोर्ड, रिफ्लेक्टर और लाइटिंग व्यवस्था करनी चाहिए, वरना और हादसे होंगे। 'यह मार्ग पहले से ही जर्जर हालत में था और अब चौड़ीकरण की स्वीकृति मिल चुकी है, जिससे करीब 45,000 दैनिक यात्रियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। लेकिन निर्माण के दौरान सुरक्षा उपायों की

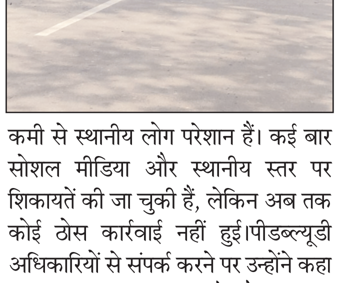

कमी से स्थानीय लोग परेशान हैं। कई बार सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य प्रगति पर है और जल्द ही सुरक्षा मानकों को पूरा किया जाएगा। हालांकि, राहगीरों की मांग है कि तत्काल संकेतक बोर्ड लगाए जाएं, गड्ढों को बैरिकेड किया जाए और रात में लाइटिंग की व्यवस्था हो, ताकि अनावश्यक हादसों को रोका जा सके।स्थानीय प्रशासन और पीडब्ल्यूडी से अपील है कि इस महत्वपूर्ण मार्ग पर तुरंत सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं, क्योंकि लापरवाही की कीमत लोगों की जान से चुकानी पड़ सकती है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर अल्टो कार पलटी

गाजियाबाद के 2 स्ह्र समेत 4 घायल, रेप के आरोपी को बिहार से ला रहे थे

सुल्तानपुर- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शनिवार को सुबह दस बजे भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां किमी 97 पर एक अल्टो कार पलट गई। जिसमें गाजियाबाद में तैनात दो उप निरीक्षक, बलत्कार के एक आरोपी समेत गाड़ी का चालक भी घायल हो गया। सभी को PRV टीम व यूपीडा की टीम ने पिठला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से आरोपी व चालक को गंभीर अवस्था में मेडिकल कॉलेज अयोध्या रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, बिहार के रोहतास थाना क्षेत्र के डेहरी निवासी विश्वकांत पुत्र लाल बिहारी के विरुद्ध रेप का मामला दर्ज था। जिसे गिरफ्तार करने के लिए उप निरीक्षक अतुल कुमार व उप निरीक्षक विपिन कुमार बिहार गए। आरोपी को गिरफ्तार कर वे अल्टो कार से लेकर उसे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के रास्ते गाजियाबाद जा रहे थे। कार को चालक वसीम चला रहा था। कार जब एक्सप्रेस-वे पर किमी 97 पर पहुंची कि एकाएक चालक नियंत्रण खो बैठा और कार डिवाइडर से टकरा कर कई बार पलटी। हादसे में अल्टो चालक सभी घायल हुए। सूचना पर PRV 6105 के चालक सुनील कुमार सिंह और वंश कुमार मौके पर पहुंचे। वहीं यूपीडा की टीम भी घटना स्थल पर पहुंची। कार से सभी घायलो को बाहर निकाल कर एम्बुलेंस से पिठला अस्पताल कुमारगंज पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान बलात्कार के आरोपी विश्वकांत और चालक वसीम की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज अयोध्या रेफर किया है। थानाध्यक्ष बल्दीराय नारद मुनि सिंह ने बताया कि घटना जानकारी में है। मामले में जांच की जा रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत भरिगहना विकासखंड बीकेटी लखनऊ

पत्रांक मेमो/ निविदा सूचना / 2025-26 — दिनांक-8/2/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025/26 में पंचम वित्त /पंद्रहवां वित्त मनरेगा योजना से निर्माण कार्य कराया जाना है। उक्त कार्य स्थल पर वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत फर्मों द्वारा प्रथम ईट ,मौरंग, सीमेंट, ईट गिट्टी, बालू ,ब्रिक सरिया, लोहा सहित अन्य सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता 9 /2/ 2026 से 16/2/ 2026 को किसी भी कार्य दिवस में अपराहन 2 बजे तक ग्राम पंचायत भरिगहना कार्यालय पर निविदा जमा कर सकते हैं। जिसे उसी दिन 3 बजे खोली जाएगी।

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
ग्राम पंचायत भरिगहना में आंगनवाड़ी केंद्र का निर्माण कार्य	प्राक्कलन अनुसार।

नियम व शर्ते- टेंडर फार्म उपरोक्त कार्यालय दिवस में निशुल्क प्राप्त किया जा सकता है। निविदा में सम्मिलित दर सभी कर सहित एवं लोक निर्माण विभाग की स्वीकृति दर से अधिक नहीं होनी चाहिए। सारे विवरण एवं सामग्री संबंधित जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति कार्य स्वीकृत होने के उपरांत की जाएगी। आयकर व बिक्री दर नियमानुसार कटौती की जाएगी। समस्त निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। बिना कारण बताए किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। अनुबंध स्वीकृत होने के उपरांत दर संशोधित होने तक अथवा कार्यपूर्ति तक समय से सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।

राहुल कुमार
सचिव
ग्राम पंचायत भरिगहना
विकासखंड बीकेटी लखनऊ

विनीता सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत भरिगहना
विकासखंड- बीकेटी, लखनऊ

संक्षिप्त खबरें

आईजीआरएस की प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित करें

कानपुर। आज दिनांक 7.02.2026 को पुलिस उपायुक्त, सेंट्रल, अतुल कुमार श्रीवास्तव द्वारा सेंट्रल कार्यालय, स्वरूपनगर में आईजीआरएस पोर्टल के कार्यों की समीक्षा हेतु ब्रीफिंग आयोजित की गई। उक्त ब्रीफिंग में थाना अनवरगंज, रायपुरवा एवं नवाबगंज में आईजीआरएस पोर्टल से संबंधित कार्यों का प्रभार देख रहे संबंधित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए तथा लंबित प्रकरणों में शीघ्र सुधार एवं निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देश दिए गए कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतकर्ता को की गई कार्यवाही की स्पष्ट, तथ्यपरक एवं संतोषजनक आख्या आईजीआरएस पोर्टल पर अंकित की जाए। प्रकरण के निस्तारण से पूर्व संबंधित अभिलेखों एवं तथ्यों का भली-भांति परीक्षण किया जाए तथा आईजीआरएस पोर्टल पर कॉपी-पेस्ट अथवा सामान्य/औपचारिक उत्तर देने से पूर्णतः बचा जाए। आवश्यकता पड़ने पर शिकायतकर्ता से दूरभाष अथवा प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर समस्या का व्यावहारिक एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

दिल्ली जनकपुरी हादसे पर CM रेखा सख्त..........

पेज न....1 की शेष खबर

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी विभाग कार्य स्थलों के चारों ओर मजबूत, निरंतर और स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली बैरिकेडिंग सुनिश्चित करें, ताकि पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और वाहनों की आकस्मिक पहुंच रोकी जा सके साथ ही बैरिकेड्स इस प्रकार लगाए जाएं कि दुर्घटना का कोई जोखिम न रहे और कोई भी खुदाई या खुली खाई राहगीरों को दिखाई न दे या धूल प्रदूषण का कारण न बने. जहां आवश्यक हो, संबंधित प्राधिकरणों के समन्वय से सुरक्षित पैदल मार्ग और उचित यातायात डायवर्जन की व्यवस्था की जाए, ताकि असुविधा न्यूनतम रहे और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा सके।

अधिकारी करेंगे नियमित निरीक्षण

महत्वपूर्ण रूप से, इस निर्देश में अनुपालन की स्पष्ट जिम्मेदारी संबंधित फील्ड अधिकारियों तथा कार्यान्वयन एजेंसियों/ठेकेदारों पर तय की गई है. इंजीनियर-इन-चार्ज और फील्ड इंजीनियरों को निर्देश दिया गया है कि वे सभी ऐसे कार्य स्थलों का नियमित निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि कार्य अवधि के दौरान निर्धारित सुरक्षा उपाय लगातार बनाए रखें.

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इन निर्देशों का कोई भी उल्लंघन, ढिलाई या अनुपालन में कमी को गंभीरता से लिया जाएगा. लापरवाही के कारण यदि कोई दुर्घटना, चोट या जान-माल की हानि होती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ नियमों के अनुसार सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, इसके अतिरिक्त अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है. किसी भी विभाग या ठेकेदार को शॉर्टकट अपनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और जमीनी स्तर पर प्रवर्तन की कड़ी निगरानी की जाएगी।

लखनऊ में कर्मचारी की मौत के बाद बेटे और पोते 6 साल तक लेते रहे पेंशन, मुकदमा दर्ज

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की मौत के बाद भी उसके बेटे और पोते छह साल तक फर्जीवाड़ा कर विभाग से पेंशन लेते रहे। मृतक के भतीजे ने कैसरबाग थाने में कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि तहरीर बीकेटी के पहाड़पुर निवासी आयुष ने दी थी। आयुष के मुताबिक, उनके चाचा पुत्तीलाल यूनिवर्सिटी के फिजिक्स विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। 2002 में वह रिटायर हो गए और दिसंबर 2017 में उनकी मौत हो गई थी। मौत के बाद पुत्तीलाल के बेटे राम बहादुर, पोते अभिषेक, विवेक और विशाल ने दस्तावेजों में उन्हें जीवित दिखाया। पेंशन विभाग और यूनिवर्सिटी से फर्जीवाड़ा किया। पिता की जगह एक रिश्तेदार चुन्नीलाल को खड़ा कर उनका अंगूठा लगवाकर 2023 तक पेंशन लेते रहे। जानकारी होने पर आयुष ने यूनिवर्सिटी में शपथ पत्र दिया था। इसके बाद फर्जीवाड़ा सामने आया। इंस्पेक्टर ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू की गई है।

पर्यटन विकास की नई दिशा में सोनबील 2.0 उत्सव आनंदमय और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से आयोजित हुआ

● वक्ताओं ने कहा कि यह 'सोनबील महोत्सव 2.0' केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, परंपरा और पर्यटन विकास का एक संयुक्त प्रयास है।

जिले के सोनबील क्षेत्र में खुशी की लहर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि सोनबील (Son Beel) असम के श्रीभूमि (करीमगंज) जिले में स्थित एक प्रमुख और विशाल आर्द्रभूमि (wetland) है, जिसे भारत की सबसे बड़ी और एशिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्द्रभूमि माना जाता है। यह एक अनोखी मौसमी झील है जो गर्मियों में पानी से भर जाती है और सर्दियों में कृषि भूमि में बदल जाती है। यहाँ हिज़ोल के पेड़ और रंगीन सूर्यास्त आकर्षण का केंद्र हैं। असम की बराक घाटी की प्राकृतिक धरोहर और लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से आज 7 फरवरी (शनिवार) को श्रीभूमि जिले के सोनबील के पास आनंदपुर में उत्साहपूर्वक पर्यटन विकास के नए आयाम में सोनबील 2.0 उत्सव का शुभारंभ उत्साह और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से आयोजित हुआ। इस उत्सव को केंद्रित करते हुए सोनबील के आनंदपुर पूरे क्षेत्र में पर्यटन, संस्कृति और पर्यावरण जागरूकता का एक अनूठा मेलजोल तैयार हुआ, जो एक ऐतिहासिक क्षण की गवाह बन गया। असम विश्वविद्यालय और रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के प्रयासों और डोनर मंत्रालय के सहयोग से इस सोनबील उत्सव के आयोजन के आनंद में पूरे सोनबील क्षेत्र को उल्लास से भरा देखा गया। सोनबील उत्सव 2.0 का औपचारिक रूप से दीप प्रज्वलन उद्घाटन असम विश्वविद्यालय के आचार्य, भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत्त एयर चीफ मार्शल अरुप राहा सहित उनके साथ कार्यक्रम में उपस्थित थे असम विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रोफेसर राजीव मोहन पाँथ, रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रोफेसर मानबेंद्र दत्ता चौधरी और असम विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रदोष किरण नाथ और संयोजक प्रोफेसर अरून्ज्योति नाथ। अकादमिक रजिस्ट्रार डॉ. संदीप रत्न सहित प्रमुख शिक्षाविद्। उत्तर-पूर्व भारत की प्रमुख जलभूमियों में से एक सोनबील को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर लाने का प्रयास असम विश्वविद्यालय ने किया है। 2024 में पहली सोनबील महोत्सव का आयोजन होने के बाद इस वर्ष इस महोत्सव में होजाइ के रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय ने भी सहभागिता की। आर्थिक सहायता में नॉर्थ ईस्टर्न काउंसिल और डोनर मंत्रालय आगे आए। इस दिन उद्घाटन समारोह के बाद पूरे दिन लोकनृत्य और लोकसंगीत प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुस्तक विमोचन, पुरस्कार वितरण और आमंत्रित कलाकारों के संगीत प्रदर्शन सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित हुए। समारोह में उपस्थित सभी वक्ताओं ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह महोत्सव मुख्य रूप से सोनबील की प्राकृतिक सुंदरता, जैवविविधता, जलजीवन, लोकसंस्कृति और ग्रामीण जीवनशैली को पर्यटकों के सामने प्रस्तुत करने का एक प्रयास है। 'सोनबील महोत्सव 2.0' केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि प्रकृति, परंपरा और पर्यटन विकास का एक सम्मिलित प्रयास है। इस त्योहार के माध्यम से सोनबील असम के बराक घाटी एक महत्वपूर्ण पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो सकती है, जो राज्य के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे स्थानीय रोजगार में वृद्धि और इको-टूरिज्म के नए अवसरों के द्वार खुलने की उम्मीद है। समारोह में मुख्य अतिथि को विशेष सम्मान सहित सम्मानित किया गया और पत्रकार को भी विशेष सम्मान सहित सम्मानित किया गया।

लखनऊ में डांट से नाराज होकर घर से निकलीं तीन लड़कियां, पुलिस ने दिल्ली-गोंडा से किया बरामद

लखनऊ। सआदतगंज में पति और मां की डांट से नाराज होकर घर से गई दो बहनों समेत एक किशोरी को पुलिस ने सकुशल खोज निकला। इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्या ने बताया कि गुरुवार को थाने पहुंचे एक युवक ने अपनी पत्नी, नाबालिग साली और उसकी नाबालिग दोस्त के घर से कहीं जाने की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। सर्विलांस और सीसी फुटेज की मदद से छानबीन की गई। अन्य जनपदों की पुलिस, जीआरपी से भी सम्पर्क किया। दिल्ली रेलवे स्टेशन पर तैनात जीआरपी ने सहादतगंज पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद किशोरी को दिल्ली से बरामद किया गया। उससे पूछताछ में दो बहनों के गोंडा में होने की बात पता चली। दोनों को गोंडा से सकुशल बरामद कर परिवार को सौंप दिया गया है। तीनों ने बताया कि घर पर डांट से नाराज होकर घूमने के लिए वह चली गई थी।

सड़कों पर गड्ढों से मौत अव्यवस्था की ज्वलंत तस्वीर पेश करती है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
बादल हुसैन

नई दिल्ली, भारत में जहां एक और हाइवे तथा एक्सप्रेस वे बनाने की रफ्तार में तेजी आई है, वहीं आज भी सड़कों पर गड्ढों के कारण होने वाली वाहन दुर्घटनाएं बड़ी संख्या में लोगों की मौत का कारण बन रही है। और इनमें लगातार वृद्धि हो रही है। इसके अधिकांश शिकार दोपहिया वाहन चालक हो रहे हैं। अभी नवेडा में इंजीनियर की मौत का मामला शांत भी नहीं हुआ कि अब राजधानी दिल्ली में जल बोर्ड की ओर से खोदे गए गड्ढे में गिरने से एक युवक की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है की जनकपुरी बी में 20 फीट गड्डे पर बैरिकेडिंग ढ़ंग से नहीं लगाई थी, हालांकि जल बोर्ड का दावा है कि चारों ओर बैरिकेड थे।सवाल है कि बैरिकेडिंग थी तो बाइक गड्डे में कैसे गिरी।25 वर्षीय कमल धनी की मौत से उसके परिजनों को रो रो कर बुरा हाल है। चारों तरफ चीख पुकार गूंज रही है।ए केवल पीड़ित परिवारों का दुःख नहीं है बल्कि अव्यवस्था की ज्वलंत तस्वीर पेश करती है। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि सड़कों पर गड्ढों से होने वाली दुर्घटनाओं में मौत से स्पष्ट है कि इनके लिए जिम्मेदार अधिकारी अपनी ड्यूटी सही ढंग से नहीं निभा रहे हैं। अतः अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करके उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

डीएम ने सीडीओ के साथ कादीपुर ब्लॉक का किया निरीक्षण

● सर्विस बुक अपडेट न होने पर दी चेतावनी, बीडीओ को साफ-सफाई व फाइल संरक्षण के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुलतानपुर- शनिवार को जिलाधिकारी कुमार हर्ष और मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह ने कादीपुर ब्लॉक कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान सर्विस बुक पर आकस्मिक और उपार्जित अवकाश की फीडिंग न होने पर संबंधित कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी दी गई और उन्हें तत्काल अपडेट करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान लेखाकार कक्ष, लेखा सहायक, मनरेगा कक्ष, सहायक विकास अधिकारी कक्ष, पुरानी फाइलों के रखरखाव, कर्मचारियों की सर्विस बुक में डेटा एंट्री, राज्य वित्त आयोग के अनुदान तथा वित्तीय व्यय से संबंधित रजिस्टर पर डेटा एंट्री का जायजा लिया गया। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका, स्टाफ की स्थिति, स्वीकृत/रिक्त पदों की संख्या और कर्मचारियों के कार्य विभाजन का भी अवलोकन किया गया।

जिलाधिकारी ने लेखाकार कक्ष के निरीक्षण के समय ग्रांट रजिस्टर, शासनादेशों का अनुरक्षण और कर्मचारियों की सर्विस बुक में अद्यतन डेटा एंट्री के बारे में जानकारी ली। सर्विस बुक अद्यतन न होने पर जिलाधिकारी ने लेखाकार को इसे तुरंत अपडेट करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने पंचम राज्य वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान और उसके सापेक्ष किए गए व्यय का ग्रांट रजिस्टर में अंकित न होने पर नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने लेखाकार जीतूराम को इन प्रविष्टियों को तत्काल दर्ज करने का निर्देश दिया।

इसके बाद, सहायक विकास अधिकारी कक्ष का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने सभी पटल सहायकों से उनके कार्य आवंटन और की गई कार्यवाही की अद्यतन स्थिति बताने को कहा। सभी पटल सहायकों ने अपने कार्य आवंटन और कृत कार्यवाही के बारे में अवगत कराया। उन्होंने सहायक विकास अधिकारी कक्ष में रखी अलमारियों में संरक्षित अभिलेखों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को परिसर की साफ-सफाई और पत्रावलियों के संरक्षण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर परियोजना निदेशक (डीआरडीए) अशोक सिंह, उपजिलाधिकारी कादीपुर उत्तम तिवारी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्यारह वर्षीय किशोर का फंदे से लटका मिला शव

● परिजनों ने हत्या की आशंका जताई, पुलिस कर रही जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के धम्मौर थाना क्षेत्र में एक 11 वर्षीय किशोर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला है। रामपुर गांव के निवासी विवेक चौहान का शव उसके घर में छप्पर से लटका पाया गया। परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतक के मामा आशीष चौहान ने बताया कि घटना के समय वे बाजार गए हुए थे। उन्हें फोन पर सूचना मिली, जिसके बाद वे घर लौटे तो विवेक का शव फंदे से लटका हुआ था। परिजनों ने तुरंत किशोर को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी।

परिजनों का आरोप है कि किसी ने पहले विवेक का गला दबाकर उसकी हत्या की है। इसके बाद, हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को छप्पर में रस्सी के सहारे लटका दिया गया।

आशीष चौहान ने कहा, 'हमें किसी ने फोन पर बताया कि ऐसी बात हो गई है। जब हम बाजार से लौटे तो उसकी मौत हो चुकी थी। हमें शक है कि किसी ने पहले उसका गला दबाया और फिर उसे छप्पर की रस्सी से लटका दिया। हम बिना देखे किसी पर आरोप नहीं लगा सकते, लेकिन हम चाहते हैं कि सच सामने आए। 'सूचना मिलने पर धम्मौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ सिटी सौरभ सामंत का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

'हेलो! मैं DSP बोल रहा हूं...' लखनऊ के युवक को आया एक फोन और लुट गए 69 हजार रुपये

लखनऊ। जानकीपुरम विस्तार सेक्टर सात निवासी युवक को जालसाज ने फोन किया। अर्दब में लेते हुए कहा कि''हेलो, डीएसपी भागलपुर बोल रहा हूं। इसके बाद युवक की निजी जानकारी वायरल करने की बात कहते हुए उससे 69 हजार रुपये ले लिए। ठगी का एहसास होने पर युवक ने साइबर सेल से शिकायत कर जानकीपुरम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित शिवम ने बताया कि दो फरवरी की सुबह उनके पास एक नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को डीएसपी बताते हुए कहा कि तुम्हारे खिलाफ मुकदमा दर्ज है। प्रशासनिक टीम तुमसे कुछ ही दूर है और गिरफ्तार करने आ रही है। तुम्हारा डाटा हमारे पास है अगर वायरल हो गया तो तुम्हारी और परिवार की बदनामी होगी। तुम्हे आठ साल की जेल हो जाएगी। यह डर दिखाते हुए जालसाज ने उससे 69 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। जानकीपुरम इंस्पेक्टर विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि आइपी एड्रेस और नंबर के आधार पर आरोपित की तलाश जारी है।

काशी में सनातन संस्कारों की अनुपम झलकः असम के 7 वर्षीय अथर्व कश्यप सहित 49 बटुकों का उपनयन संस्कार सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वाराणसी। फाल्गुन कृष्ण पंचमी के पावन अवसर पर शुक्रवार, 7 फरवरी 2026 को काशी स्थित श्रीविद्या मठ में सनातन परम्परा का भव्य दृश्य देखने को मिला। यहां जगद्गुरुकुलम् की काशी शाखा के 49 छात्रों का विधिवत उपनयन संस्कार सम्पन्न हुआ। इनमें असम राज्य के 7 वर्षीय छात्र अथर्व कश्यप भी शामिल रहे। पंडित श्री रामचन्द्र देव जी सहित अनेक विद्वान आचार्यों के आचार्यत्व में संपन्न इस संस्कार को वेदाध्ययन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया। आचार्यों ने कहा कि वेद अध्ययन से पूर्व उपनयन संस्कार सनातन परम्परा का अनिवार्य अंग है, जिससे बालक धर्म, संयम और संस्कारों के मार्ग पर अग्रसर होता है।

उपनयन संस्कार गंगा तट स्थित श्रीशंकराचार्य घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न हुआ। सभी उपनीत बटुकों को परमाराध्य परमधर्माधीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर अनन्तश्रीविभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती '1008' जी महाराज का पावन आशीर्वाद प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि पूज्य शंकराचार्य जी महाराज देशभर में भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म के संरक्षण एवं प्रचार के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में उनके मार्गदर्शन में जगद्गुरुकुलम् की देशभर में 10 से अधिक शाखाएं संचालित हो रही हैं। उनकी परिकल्पना है कि प्रत्येक जिले में कम से कम एक निःशुल्क गुरुकुल स्थापित हो, जिससे सनातन धर्म की शिक्षा समाज के हर वर्ग तक सहज रूप से पहुंच सके। मठ के प्रभारी ब्रह्मचारी परमात्मानंद जी ने सभी उपनीत बटुकों को गायत्री मंत्र की दीक्षा प्रदान की। कार्यक्रम का सफल संयोजन प्रबंधक श्री कृष्ण कुमार द्विवेदी एवं उप-प्राचार्य श्री आर्यन सुमन पांडेय जी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

सम्पूर्ण समाधान दिवसः शोहरतगढ़ में आए 56 प्रार्थना पत्र, 6 निस्तारित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर, सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस तहसील शोहरतगढ़ में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0, उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्र तथा पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों की सुनवाई क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी द्वारा किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबंधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण करायें।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस शोहरतगढ़ में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद की आख्या लगायेगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिए।

इस दौरान कुल 56 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-44, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-02, विकास-01, कृषि-02, जलनिगम-01, शिक्षा-01, विद्युत-02, नगर पंचायत-02, पूर्ति-01, प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। राजस्व के 06 प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त उपकृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, तहसीलदार शोहरतगढ़, तहसील शोहरतगढ़ क्षेत्र के थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यापारियों की बड़ी आवाजः फेम ने प्रमुख सचिव से मिलकर सचल दल व्यवस्था समाप्त करने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल (फेम) ने प्रदेश के व्यापारियों की समस्याओं को लेकर राज्य कर विभाग के उच्चाधिकारियों के समक्ष सशक्त तरीके से पक्ष रखा। फेम के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सोबती के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ स्थित कौटिल्य भवन में प्रमुख सचिव, राज्य कर उत्तर प्रदेश श्रीमती कामिनी रतन चौहान (आईएएस) से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उक्त बात की जानकारी फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन महामंत्री जितेंद्र चतुर्वेदी बताया की इस बैठक में राज्य कर आयुक्त डॉ. नितिन बंसल सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने व्यापारियों को अनावश्यक रूप से परेशान करने वाली सचल दल (मोबाइल स्क्वॉड) व्यवस्था को समाप्त करने की प्रमुख मांग रखी।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सोबती ने कहा कि व्यापारियों को नोटिस केवल ई-मेल से भेजने के बजाय व्यक्तिगत रूप से भी उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में अधिकारी लक्ष्य पूर्ति के दबाव में अनुचित पेनाल्टी वसूलते हैं, जिनमें से 90 से 95 प्रतिशत राशि बाद में विभाग को लौटानी पड़ती है। इससे न सिर्फ व्यापारी परेशान होता है, बल्कि विभाग की छवि भी प्रभावित होती है।

फेम ने एमनेस्टी स्कीम लागू करने, वैट की धारा-32 को जीएसटी में शामिल करने तथा बिना पूर्व नोटिस के व्यापारियों के बैंक खाते सीज न किए जाने की भी मांग की। फेम के जिला महामंत्री ब्रजेश पंडित ने सुझाव दिया कि जब पेनाल्टी की राशि वापस करनी ही पड़ती है, तो ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारियों की भी समीक्षा होनी चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि लक्ष्य किस प्रकार पूरे किए जा रहे हैं। बैठक में प्रदेश भर के फेम के पदाधिकारी भी शामिल रहे। प्रमुख सचिव श्रीमती कामिनी रतन चौहान ने फेम की सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और समाधान का आश्वासन दिया। फेम की ओर से समस्याओं को गंभीरता से सुनने के लिए प्रमुख सचिव का आभार जताते हुए प्रदेशभर से आए व्यापारियों का धन्यवाद किया गया।

महाशिवरात्रि दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त सेंट्रल व उपजिलाधिकारी द्वारा आनन्देश्वर मंदिर का निरीक्षण

कानपुर। दिनांक 7.02.2026 को पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल) अतुल कुमार श्रीवास्तव एवं उपजिलाधिकारी द्वारा आगामी महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए थाना ग्वालटोली अंतर्गत स्थित श्री आनन्देश्वर (परमट) मंदिर परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर, घाटों, आवागमन मार्गों एवं अन्य संवेदनशील स्थलों का गहन अवलोकन किया गया। अधिकारियों द्वारा पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया, जिसमें बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल रहे।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन एवं व्यवस्थित दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों, महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा, पार्किंग व्यवस्था, यातायात डायवर्जन तथा निरंतर निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस उपायुक्त सेंट्रल, अपर पुलिस उपायुक्त (स्थानीय अभिसूचना इकाई), सहायक पुलिस आयुक्त कर्नलगंज, नगर निगम एवं केस्को के अधिकारीगण, श्री आनन्देश्वर (परमट) मंदिर का कार्यभार देखने वाले पदाधिकारी/सेवक, स्थानीय पार्षद तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी भदोही द्वारा 7 पोषण पुनर्वास केंद्र (NRC) निरीक्षण

दिनांक 07 फरवरी 2026 को मुख्य विकास अधिकारी श्री बाल गोविंद शुक्ला द्वारा पोषण पुनर्वास केंद्र (NRC), जनपद भदोही का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डॉ. नित्यानंद (आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी), सीएमएस महाराजा चेत सिंह जिला चिकित्सालय एवं डॉ. ए.के. तिवारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के समय मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बच्चों को च्यवनप्राश, चना एवं गुड़ प्रदान किया गया तथा बच्चों की दिनचर्या, पोषण, स्वच्छता एवं देखभाल के संबंध में उनकी माताओं को विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई, ताकि घर पर भी उचित पालन सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि केयरटेकर प्रीति द्वारा बच्चों को बहलाने के लिए मोबाइल पर चित्र/वीडियो दिखाए जा रहे थे, जिसे वैज्ञानिक दृष्टि से हानिकारक बताया गया। विशेषज्ञों के अनुसार कम उम्र में मोबाइल स्क्रीन का अधिक उपयोग बच्चों के मस्तिष्क विकास, दृष्टि एवं एकाग्रता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। इस संबंध में तत्काल रोक लगाने एवं बच्चों के लिए खेल, संवाद और गतिविधि-आधारित मनोरंजन अपनाने के निर्देश दिए गए। एनआरसी की किचन व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। साथ ही बिल्डर/रसोई प्रभारी को निर्देशित किया गया कि माता एवं बच्चों को निर्धारित पोषण आहार मेनू के अनुसार ही भोजन उपलब्ध कराया जाए, जिससे पोषण पुनर्वास के उद्देश्य पूरे हो सकें।